संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 168 सोमवार 21 अप्रैल 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मुर्शिदाबाद हिंसा का रिपोर्ट आया सामने

» 3 महीने पहले ही बना ली गई थी मुर्शिदाबाद हिंसा की प्लानिंग...

» बीएसएफ को उलझा कर सीमापार से भीड़ की शक्ल में घुसा दिए गए थे बंग्लादेशी लड़के...

नई दिल्ली/मुर्शिदाबाद,20 अप्रैल 2025(ए)। वक्फ एक्ट के खिलाफ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसक झड़प को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। जांच एजेंसी की ओर दावा किया जा रहा है कि इस तरह के हमले की साजिश करीब 3 महीने पहले ही बना ली गई थी। हिंसा की आड़ में भीड़ की शक्ल में कई लड़कों को बांग्लादेश से भारत में घुसा दिया गया।

रिपोर्ट में बताया गया है कि मुर्शिदाबाद हमले के पीछे शैडो प्लानिंग थी। जिस तरह मुर्शिदाबाद हमले की योजना 3 महीने पहले बनाई गई थी, उसी तरह इस हमले के पीछे भी एक बड़ा मकसद भी तय किया गया था। इनका मकसद मुर्शिदाबाद में ऐसी स्थिति बना देना था, जिसे पुलिस अकेले संभाल न सके और ऐसा ही हुआ।

12 से 15 साल के लड़कों को घुसाने की कोशिश

योजना के तहत भेजे गए कई बांग्लादेशी लड़कों में जिन्हें भारत में रहने के लिए भेजा गया था। 12 से 15 साल की उम्र के ये लड़के देश में गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों में पढ़ाई करेंगे और समय के साथ भारत के खिलाफ साजिश भी रचेंगे। खुफिया इनपुट में इसी तरह से बांग्लादेश कुछ संभावित आतंकवादियों के भारत में घुसाने की तैयारी की जानकारी सामने आई है।

हिंसा के शुरुआती 4 घंटे में कराया घुसपैठ

योजना के अनुसार, इस घुसपैठ को लेकर कुछ ऐसी परिस्थितियां बनानी थी, जिसे पुलिस संभाल न पाए और बीएसएफ को बुलाना पड़ जाए। नियमों के मुताबिक, अगर इंटरनेशनल बॉर्डर के 50 किलोमीटर के भीतर कुछ होता है, तो बीएसएफ उस जगह पर आ सकती है। इसका मकसद बार्डर सुरक्षा से बीएसएफ का ध्यान भटकाना था। हालात ऐसे बनाए गए कि एक तरफ पुलिस हिंसा को संभालने में उलझी हुई थी,इस बीच अहम 4 घंटे के दौरान कई अज्ञात लोग मौका पाकर बॉर्डर पार करते हुए देश के अंदर घुस आए, और हिंसा के बाद भीड़ की आड़ में कहीं गायब से हो गए। खुफिया सूत्रों से जानकारी मिली है कि जैसे इस तरफ से लोगों को हमलों के लिए चुना गया था,वैसे ही बॉर्डर पार भी ट्रेनिंग चल रही थी। इस बीच भड़की हिंसा के दौरान बॉर्डर पार कर देश में घुसे कई युवक मुर्शिदाबाद के कुछ लोगों के साथ घुलमिल गए, ताकि ऐसा दिखे कि युवाओं की अनियंत्रित भीड़ लोगों पर हमला कर रही है।

हिंसा के बाद अन्य शहरों में छुप गए लड़के

हमले को लेकर खुफिया विभाग के पास जानकारी है कि बॉर्डर पार से आए ये युवा अब मुर्शिदाबाद में नहीं हैं, हो सकता है कि ये लड़के गुजरात के कई शहरों के अलावा चेन्नई,हैदराबाद,पुणे,मुंबई,कश्मीर, उत्तरप्रदेश, बिहार,असम,सिक्किम, केरल,ओडिशा में मजदूरी करने चले गए हों,और वे अगले कई सालों तक मजदूरी की आड़ में भारत के अलग अलग शहरों में बने रहेंगे। सीमा पार से आंतकी गतिविधियों को बढ़ावा देने वालों की योजना यही है कि अभी भारत में घुसपैठ करा दो, क्योंकि अगले कुछ सालों में बॉर्डर 100 फीसदी सील हो जाएगी तब घुसपैठ मुश्किल हो जाएगी।

महत्वपूर्ण खबर

अमृतपाल सिंह पर लगे एनएसए एक्ट की अवधि एक साल के लिए बढ़ी

चंडीगढ़,,20 अप्रैल 2025(ए)। पंजाब सरकार ने वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह पर लगाए गए नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) को एक और साल के लिए बढ़ा दिया है, जिसके तहत अब अमृतपाल सिंह को एक साल और डिब्रूगढ़ जेल में रहना होगा.

विस्तारित एनएसए के संबंध में अमृतपाल सिंह का आधिकारिक पत्र भी सामने आया है, जिसमें हर डिटेल को समझाया गया है. बता दें कि उसके एनएसए की अवधि 22 अप्रैल को समाप्त होने वाली थी.

सिपाही ने साथी के सीने में दाग दी 11 गोलियां

बेतिया,20 अप्रैल 2025(ए)। बिहार के बेतिया पुलिस लाइन से एक सनसनीखेज खबर सामने आई है, जहां एक सिपाही ने अपने ही साथी जवान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना में सिपाही सोनू कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी सिपाही परमजीत को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस लाइन गोलियों की गूंज से दहल उठा। सिपाही परमजीत ने अपनी इंसास राइफल से एक के बाद एक कुल 11 गोलियां सोनू कुमार पर दाग दीं। पूरी पुलिस लाइन में अफरा-तफरी मच गई।

मुर्शिदाबाद हिंसा में बाप-बेटे की हत्या मामले में जियाउल शेख गिरफ्तार

सीसीटीवी में मिले भीड़ को उकसाने के फुटेज

कोलकाता,20 अप्रैल 2025(ए)। पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में वक्फ बिल को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शन के दौरान एक बाप-बेटे की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह मामले में चौथी गिरफ्तारी हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जाफराबाद के पड़ोसी गांव सुलिताला पुरबापारा निवासी जियाउल शेख के रूप में हुई है। आरोपी 12 अप्रैल से फरार था।

पत्नी का हत्यारा पति पहुंचा थाने हुआ गिरफ्तार

गुवाहाटी, 20 अप्रैल 2025(ए)। असम के चिरांग पुलिस थाना में उस वक्त पुलिसवालों के होश उड़ गए जब शख्स ने अपनी पत्नी का कटा सिर टेबल पर रख दिया और कहा कि मुझे गिरफ्तार कर लो। आरोपी बुजुर्ग की पहचान बितीश हाजोंग के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार पति पत्नी के बीच काफी लंबे समय से आपसी झगड़े हो रहे थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी पति दिहाड़ी मजदूरी करता है और वह अपनी पत्नी का कटा हुआ सिर अपने साइकिल पर रखकर थाने पहुंचा था। चिरांग की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रश्मिरेखा शर्मा ने बताया कि हमने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

इंडिगो एयरलाइंस के विमान से टकरा गई मिनी बस

एयरपोर्ट की सुरक्षा पर खड़े हुए सवाल

बेंगलुरु, 20 अप्रैल 2025(ए)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस के एक खड़े हुए विमान से मिनी बस टकरा गई। इससे एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयर पोर्ट के प्रवक्ता ने कहा कि मिनी बस इंडिगो विमान के अंडरकैरेज' (निचले ढांचे) से टकरा गई। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। विमान से टकराने के बाद मिनी बस की छत क्षतिग्रस्त हो गई।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने चलाया अभियान 16 उग्रवादी गिरफ्तार,हथियार बरामद

इंफाल,20 अप्रैल 2025(ए)। मणिपुर में पिछले 48 घंटों में कई प्रतिबंधित संगठनों के कुल 16 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने रविवार को बताया कि प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पंबेई) के दो कार्यकर्ताओं को शनिवार को इंफाल पूर्वी जिले से गिरफ्तार किया गया. पुलिस अधिकारी ने बताया कि वे कथित तौर पर जबरन वसूली में शामिल थे.उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को बिष्णुपुर जिले से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगनबा) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया. अधिकारी ने बताया कि उसी दिन प्रतिबंधित केसीपी (एमएफएल) के दो सदस्यों को इंफाल पश्चिम जिले से गिरफ्तार किया गया, जो कथित तौर पर जबरन वसूली में भी शामिल थे.

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के न्यायपालिका पर दिए बयान को लेकर विवाद,पार्टी ने किया किनारा

नईदिल्ली,20 अप्रैल 2025 (ए)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की ओर से सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश को लेकर दिए गए बयान के बाद बवाल मच गया है। इसे लेकर जहां विपक्ष ने सरकार को घेरा है वहीं, खुद भाजपा ने भी इससे किनारा कर लिया है।भाजपा ने इसे निजी टिप्पणी बताते हुए कहा कि पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है।

खुद की परवाह न कर बच्चे की बचाई जान

चेन्नई,20 अप्रैल 2025(ए)। ये कहानी सिर्फ एक बच्चे की जान बचाने की नहीं,इंसानियत, साहस और संवेदना की सबसे खूबसूरत मिसाल है, जो अब एक वायरल वीडियो के जरिए लोगों के दिलों को छू रही है। यह मामला चेन्नई के अरुंबक्कम इलाके का है। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और अब वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल,तीसरी कक्षा में पढ़ने वाला बच्चा स्कूल से घर लौट रहा था. बारिश के कारण सड़क किनारे पानी जमा था और बच्चा उसी में से गुजर रहा था। जैसे ही वह एक जंक्शन बॉक्स के पास से गुजरा,उसका पैर एक टूटे तार पर पड़ गया,तार में करंट था। वह तुरंत जमीन पर गिर गया और मदद के लिए चिल्लाने लगा। उसी वक्त बाइक पर सवार होकर जा रहे कन्नन नाम के युवक की नजर पड़ी। पहले कन्नन को लगा कि बच्चा फिसलकर गिर गया होगा, लेकिन जैसे ही वह पास पहुंचे तो देखा कि बच्चे का शरीर बुरी तरह से कांप रहा है, तभी उन्हें समझ आया कि बच्चा करंट की चपेट में है।

कन्नन ने बिना अपनी जान की परवाह किए, पानी में उतरकर बच्चे को बचाने की कोशिश की। खुद को करंट लगने के बावजूद उन्होंने बच्चे को पानी से खींचकर बाहर निकाला। इसके बाद उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से बच्चे को प्राथमिक उपचार दिया और तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

कन्नन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुझे अपनी जान की परवाह नहीं थी। अगर मैंने उसे नहीं बचाया होता तो मैं जिंदगी भर चैन से नहीं रह पाता। एक इंसान की जान बचाना सबसे जरूरी था। कन्नन ने कहा कि मैंने मदद के लिए लोगों को आवाज दी, लेकिन कोई आगे नहीं आया फिर मैं पास गया और उसे छुआ,मुझे भी बिजली का झटका लगा, लेकिन फिर भी मैंने उसे खींच लिया। इसके बाद हमने उसकी छाती को दबाया,ताकि वह सांस ले सके। प्राथमिक उपचार दिया और उसे अस्पताल ले गए। यहां डर की कोई बात नहीं थी। मेरी जान या उसकी जान,इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। इस बहादुरी के लिए लोग कन्नन की जमकर सराहना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें रियल हीरो बता रहे हैं और उनकी इंसानियत को सलाम कर रहे।

मर गई हैं लोगों की इंसानियत

» सरसों के तेल से भरा ट्रक खड़े डंपर से टकराया,

» मदद के बजाए लोग तेल लूटने में लगे रहे

भोपाल, 20 अप्रैल 2025(ए)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में दिल दहला देने वाली और इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां बिलखिरिया थाना इलाके में एक ट्रक सड़क हादसे का शिकार हो गया। ट्रक में भरे 22 टन सरसों तेल के पीपे बिखर गए। हैरानी की बात यह रही कि मौके पर मौजूद लोग घायल ड्राइवर और क्लीनर को बचाने की जगह तेल के पीपे लूटने में जुट गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रक राजस्थान से नागपुर जा रहा था। ट्रक में सरसों तेल की पेटियां भरी थीं। बताया जा रहा है कि ड्राइवर को झपकी आ गई और ट्रक सामने खड़े डंपर में जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से चकनाचूर हो गया।. क्लीनर अंदर ही फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के तुरंत बाद लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई,लेकिन मदद करने की बजाय भीड़ ने सरसों के तेल को समेटना शुरू कर दिया। लोग ट्रक से गिरे सरसों तेल के पीपे उठाकर अपने-अपने वाहनों में भरने लगे। किसी ने भी ट्रक में फंसे घायल ड्राइवर या क्लीनर को निकालने की कोशिश नहीं की। कुछ समय बाद इस हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रक को हटवाया और क्लीनर के शव को बाहर निकाला गया। वहीं घायल ड्राइवर को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना का वीडियो सामने आया है।

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी का घर में मिला शव

पत्नी पर हत्या की आशंका

बेंगलुरु, 20 अप्रैल 2025(ए)। कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या का मामला सामने आया है। उनकी पत्नी पर चाकू घोंपकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। बता दें कि बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट स्थित उनके घर में उनका शव बरामद हुआ है।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में बादल फटने से 3 की मौत

कई गाडियां और घर मलबे में दबे,श्रीनगर हाईवे बंद

जम्मू-कश्मीर, 20 अप्रैल 2025(ए)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने कहर बरपा दिया है। रविवार सुबह रामबन जिले के सेरी बागना इलाके में बादल फटने की घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद गांव में अचानक बाढ़ आ गई और पहाड़ का भारी मलबा रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया, जिससे कई घर और गाड़ियां उसकी चपेट में आ गईं।

संपादकीय

जनता को करारा झटका

दुनिया भर में शेयर बाजार के जबरदस्त तरीके से लुढ़कने के सदमे के दरम्यान ही सरकार ने जनता को घरेलू गैस सिलेंडर में पचास रुपये का इजाफा कर करारा झटका दिया।उपभोक्ताओं को इस वृद्धि के बाद प्रति सिलेंडर 853 या 879 रुपये देने होंगे जो अब तक क्रमशः दिल्ली में 803 रुपये या कोलकाता में 829 रुपये में मिल रहा था। उज्जवला योजना के तहत मिलने वाला 14.2 किग्रा. का सिलेंडर अब 553 रुपये में उपलब्ध होगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के अनुसार, आगे इस मूल्य वृद्धि की समीक्षा की जाएगी। अमेरिका-चीन के बीच छिड़े व्यापार युद्ध के चलते अप्रैल, 2021 के बाद कच्चे तेल की कीमतें सबसे निचले स्तर पर हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ के बाद शेयर बाजार धड़ाम से गिरा है। निवेशकों में चीन समेत अन्य कई देशों के अमेरिका पर उल्टा नये टैरिफ की घोषणा से टैरिफ वॉर के गंभीर रूप लेने का डर बैठ गया है। इसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी दिखा है, जहां भय और अनिश्चितता के चलते बिकवाली की गहरी मार पड़ी। निवेशकों की घबराहट के बावजूद बाजार के गिरने का सिलसिला मंगलवार को थोड़ा थमता नजर आया। मगर अंतरराष्ट्रीय बाजार के असर से घरेलू शेयर मार्केट का बचना नामुमकिन है। आर्थिक विशेषज्ञ इस ट्रेड वॉर को आर्थिक मंदी की आहट भी मान रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई की मार केवल भारतीय जनता ही नहीं झेल रही है,आम अमेरिकी भी खासा परेशान है। ट्रंप के निर्णयों के बाद अमेरिका में विरोध-प्रदर्शनों का दौर चालू हो चुका है। हालांकि अपने यहां आपसी असहमतियों से बिखरा विपक्ष इस मौके का लाभ लेने में कतई चूक रहा है।पेट्रोल-डीजल के खुदरा मूल्य के न बढने की दलीलों के बावजूद आम उपभोक्ता जल्द ही दाम बढने को लेकर पूरी तरह आशंकित है। जैसे पूर्व में गैस सिलेंडर के दाम दस-दस रुपये बढ़ते रहे हैं। बड़ा तबका अपने सीमित बजट में आसानी से समन्वय कर लेता है। मगर पचास रुपये आम निम्न मध्यवर्गीय की जेब पर पडने वाली मामूली राशि नहीं कही जानी चाहिए। वह भले ही छोटा निवेशक न हो पर कंपनियों की आय और मुनाफे पर पड़ रहे ट्रेड वॉर के असर से भी आम नागरिक नहीं बचने वाला। क्योंकि इसके कारण बढ़ी महंगाई के चपेटे में समूची दुनिया आ सकती है। सरकार को तत्काल विचार करने की जरूरत है।

बाबा बुलेटप्रूफ:श्रद्धा के पीछे सुरक्षा की फौज

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

मोक्ष की बात, मगर मौत का डरः बाबा की सुरक्षा का रहस्य
बाबा की सुरक्षाःआत्मा अमर है,लेकिन बॉडीगार्ड चाहिए...

जो संत मोक्ष,आत्मा की अमरता और मृत्यु से भयमुक्त रहने का उपदेश देते हैं, वे स्वयं भारी सुरक्षा घेरे में क्यों रहते हैं?

कैसे आज के आध्यात्मिक गुरु धर्म से अधिक इवेंट मैनेजमेंट में लगे हैं, और सरकारें उन्हें सुरक्षा देकर राजनीति और वोट बैंक साधती हैं। यदि बाबा वाकई मृत्यु को एक भ्रम और आत्मा को अजर-अमर मानते हैं, तो फिर उन्हें सुरक्षा की क्या ज़रूरत? असली संत वही होता है जो सत्य के साथ निर्भय खड़ा हो – न कि सुरक्षा घेरे में छिपा हो।

शरीर नाशवान है, आत्मा अजर-अमर। मृत्यु तो केवल एक परिवर्तन है, उससे भय नहीं करना चाहिए। यह वाक्य किसी आध्यात्मिक प्रवचन से नहीं,बल्कि देश के सबसे चर्चित युवा बाबा,बागेश्वर धाम सरकार धीरेन्द्र शास्त्री के किसी भी कार्यक्रम में बार-बार दोहराया जाता है। लेकिन जिस बाबा की वाणी में मृत्यु के प्रति भयमुक्ति का यह अमृत बहता है, वही बाबा जब एक्स श्रेणी सुरक्षा में चार थानों की फोर्स, सैकड़ों पुलिसकर्मी, दर्जनों बाउंसर और निजी सुरक्षाकर्मियों से घिरे दिखते हैं,तो आम आदमी की आत्मा चिल्ला उठती है – बाबा, ये क्या चल रहा है? बीते सप्ताह बाबा बीकानेर के पास नोखा क्षेत्र में एक धर्मात्मा उद्योगपति के नव-निर्मित भवन के प्रवेशोत्सव में पधारे। धर्म, भक्ति और आडंबर का ऐसा संगम था कि खुद त्रिदेव भी यदि आ जाते तो भीड़ को चीरते हुए मंच तक न पहुँच पाते। बाबा के स्वागत में फूल बरसे, जयघोष गूंजे, और रंगीन अखबारों में दो-दो पृष्ठों पर उनके दर्शन, उपदेश और सुरक्षा तंत्र का महिमामंडन हुआ।

आत्मा अमर,लेकिन अंगरक्षक जरूरी?

जिस गुरु की वाणी से मृत्यु का भय मिटाने का दावा होता है, वह स्वयं बुलेटप्रूफ गाड़ियों में चलता है,निजी अंगरक्षकों की सेना रखता है,और सरकार से वाई श्रेणी की सुरक्षा लेता है। क्या मोक्ष के मार्ग पर चल रहे संतों के लिए यह सांसारिक सुरक्षा ज़रूरी हो गई है? अगर आत्मा अमर है, और मृत्यु केवल शरीर का त्याग, तो फिर यह सुरक्षा किससे? असुरक्षा का डर किसका? क्या यह जनता के विश्वास के साथ धोखा नहीं?

बाबा का भय किससे?

कहा जा सकता है कि संतों को विरोधियों, असामाजिक तत्वों से खतरा हो सकता है। लेकिन यह तर्क खुद बाबा के उपदेशों से खारिज हो जाता है। बाबा कहते हैं – डर केवल अज्ञानी को होता है। जब ईश्वर साथ हो, तो कोई क्या बिगाड़ सकता है? फिर, जब भक्तों की भीड़, पुलिस का पहरा और सरकार की छत्रछाया है, तो बाबा को किस मृत्यु का भय है? क्या यह वही बाबा नहीं हैं जिन्होंने प्रयागराज महाकुंभ की भगदड़ में मारे गए लोगों को मोक्षप्राप्त घोषित कर दिया था? अगर भगदड़ में मरे तीर्थयात्री स्वर्ग सिधार सकते हैं, तो फिर बाबा को तो इस भीड़ में परमानंद ही मिलना चाहिए!

क्या यह आध्यात्मिकता है या इवेंट मैनेजमेंट?

किसी साधु का इतने सुरक्षा घेरे में आना अब कोई दुर्लभ दृश्य नहीं रहा। बाबा धीरेन्द्र शास्त्री जैसे इंफ्लुएंसर संत अब सत्संग कम और इवेंट ज्यादा करते हैं। स्टेज पर बड़ी एलईडी स्क्रीन,सफेद लाइट, ढोल-नगाड़ों के बीच उनकी एंट्री होती है, और इसके पीछे होती है पूरी प्रोटोकॉल टीम–जैसे कोई बॉलीवुड सुपरस्टार पहुंच रहा हो। क्या अब आध्यात्मिकता का मोल लोगों की आस्था से नहीं, बल्कि पुलिस बल और मीडिया कवरेज से तय होगा?

सत्ता और संत का गठजोड़

सवाल केवल सुरक्षा का नहीं है। सवाल है कि किस आधार पर एक बाबा को एक्स श्रेणी की सुरक्षा दी जाती है? क्या देश में ऐसे लोगों की कमी है जिन्हें सच में जान का खतरा है–सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली महिलाएं? परंतु सरकारें चुपचाप संतों को विशेष सुरक्षा देती हैं, शायद इस डर से कि कहीं उनके अनुयायियों की नाराज़गी न झेलनी पड़े। यह सीधा वोट बैंक की राजनीति का आध्यात्मिक संस्करण है।

श्रद्धा या अंधभक्ति?

आखिर में बात आम आदमी की करनी होगी–उस भक्त की, जो तपती दोपहर में घंटों कतार में खड़ा रहता है, बाबा के एक दर्शन की उम्मीद में। जिसे बाबा कहते हैं, मोह-माया छोड़ो,लेकिन वही बाबा करोड़ों के दान स्वीकार करते हैं, टेंट में बैठते हैं, और सुरक्षा घेरे में प्रवचन देते हैं। क्या यह श्रद्धा है या कोई सुनियोजित भ्रम? क्या यह धर्म है या प्रदर्शन?

व्यंग्य की चोट

बाबा बोले–मृत्यु से मत डरो,आत्मा अमर है।
पर खुद चलते हैं, क़िले की तरह सुरक्षा में।
भक्त बोले–बाबा, हम तो पैदल आए हैं, आशीर्वाद दो।
बाबा बोले – पहले सुरक्षा घेरा पार करो!

समाप्ति से पहले प्रश्न

अगर मृत्यु के बाद मोक्ष ही जीवन का उद्देश्य है, और बाबा मार्गदर्शक हैं, तो फिर वे स्वयं मृत्यु से क्यों डरें? क्यों न वह सुरक्षा छोड़, उसी आस्था पर भरोसा करें, जिसका उपदेश देते हैं? या फिर मान लिया जाए कि यह पूरा खेल केवल मंच है –जहाँ भावनाओं का व्यापार होता है, और मोक्ष, माया, मृत्यु सब शब्द भर रह गए हैं।बागेश्वर बाबा हों या कोई और,जब भी कोई संत आध्यात्मिकता के नाम पर सुरक्षा, वैभव और सत्ता का लाभ लेता है, तो उसके प्रवचनों की पवित्रता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। श्रद्धा को सुरक्षा से नहीं, सत्य से ताकत मिलती है। बाबा यदि वाकई आत्मा की अमरता में विश्वास रखते हैं, तो उन्हें सबसे पहले वाई श्रेणी सुरक्षा का त्याग करना चाहिए – क्योंकि असली संत वही है, जो सत्य के साथ निर्भय खड़ा हो।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मनुष्य,प्रकृति और उसकी बुद्धिमत्ता

निखिल रस्तोगी
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

मनुष्य की बुद्धिमत्ता उसकी कल्पना से कहीं अधिक समृद्ध और गतिशील है, जितना कि हमें औपचारिक शैक्षणिक शिक्षा द्वारा विश्वास दिलाया गया है-प्रसिद्ध शिक्षाविद् सर केन रॉबिन्सन द्वारा कही गई यह बात हमें मनुष्य और उसकी बुद्धिमत्ता का परिचय दे देती है। मनुष्य को सभी जीवों में क्यों उच्चतम जीव माना गया है? यहां तक कि उसका जीवन एक वरदान के समान क्यों है? इन सब बातों का जवाब केन द्वारा सिर्फ इसी एक कथन से साफ हो जाता है। दरअसल, मनुष्य की बौद्धिक क्षमताएं असीम है। हालांकि, दूसरे जीवों में भी यह पहलु व्याप्त है, लेकिन उसका एक दायरे में सिमटाव है। मनुष्य के मामले में यह बिल्कुल अलग है। वास्तविकता यह है कि मनुष्य की बुद्धिमत्ता अपार है, उसकी जिज्ञासा अटल है,जिसके कारण उसकी अनंत संभावनाओं तक पहुंचने और प्रकृति को अपनी स्थिति के अनुकूल बनाने का बल है। अमेरिकी राजनीतिज्ञ और अभिनेता रोनाल्ड रीगन भी इस बात से सहमति जताते थे। उनके मुताबिक मानव बुद्धि और उसकी कल्पना की कोई सीमा नहीं है। यहां यही वह वजह है कि मनुष्य का वाकी जीवों की तुलना में अनादिकाल से ज्यादा विकास हुआ है। यह उसकी बौद्धिक क्षमता का प्रमाण ही है, कि वह आज इतना काबिल हो गया कि उसने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अद्भुत तकनीकों का निर्माण दिया है।

प्रकृति के नजरिए से देखा जाए तो यह सब संभव ही नहीं था। लेकिन मनुष्य ने अपनी प्रतिभाओं के जरिए, नवाचारों को जन्म देकर, नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। आज मनुष्य लगभग हर क्षेत्र में विजय हासिल कर रहा है। जैसे चिकित्सा के क्षेत्र में, जहां मनुष्य प्रकृति को सीधी चुनौती देते हुए, तमाम खोजों के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बना रहा है। सरल शब्दों में कहा जाये तो मनुष्य चार्ल्स डार्विन की सर्वाइवल आफ दी फिटेस्ट जैसे सिद्धांतों को ही गलत साबित कर रहा है।

हालांकि,इन सब बातों के चलते हम अपनी बुद्धिमत्ता की छवि को तो देख रहे हैं। अपने विकास के पीछे का कारण तो जान रहे हैं। लेकिन, यहां अपने विकास के साथ, प्रकृति और उसके आयामों का कितना विकास हुआ है? हमारी बुद्धिमत्ता से प्रकृति को कितना लाभ और उसपर कितना असर पड़ा है? यहां यह भी जानने कि हमें आवश्यकता है। आखिरकार, हमारी बुद्धिमत्ता का सृजन प्रकृति से ही तो हुआ है । अब इसी संदर्भ में बात कि जाये तो हम अपने विकास के दौरान प्रकृति, उसके आयामों और यहां तक कि उसके द्वारा दुनिया में कायम संतुलन को भी असंतुलित कर रहे है। उदाहरण के रूप में, आज जिस स्तर पर हम बाढ़, भूकंप और भूस्खलन जैसी प्राकर्तिक विपदाओं का सामना कर रहे है। लगभग एक सदी पहले इस स्तर पर न कोई विपदा देखी गई थी, और न ही हम कल्पना कर सकते थे। आज हम अपने आप को अक्सर विकसित कहते नहीं थकते हैं। लेकिन यहां सोचने वाली बात है कि, क्या हम वास्तव में विकसित है? बुद्धिमत्ता के मामले में तो इसका उत्तर हाँ है। लेकिन जीवन के मामले में इसका उत्तर ना होगा।

इसके अलावा,हमें यहां एक और बात समझने की जरूरत है। हम बुद्धिमान जीव है और गतिशील जीव भी। इसमें कोई दोराय नहीं है। लेकिन हमारी बौद्धिक क्षमताएं कितनी मुसीबतों को निमंत्रण दे रही हैं। इस बात का भी हमें इल्म होना चाहिए। विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार,मानव गतिविधियों ने पृथ्वी का हद से ज्यादा हनन किया है। उसे ऐसी विकट परिस्थिति में धकेल दिया है। जहां वैज्ञानिकों द्वारा रेखांकित नौ पारिस्थितिक सीमाओं में से चार पहले ही पार कर ली गई हैं। जिसमें जलवायु परिवर्तन,जैव विविधता की हानि, भूमि उपयोग में परिवर्तन, और नाइट्रोजन व फॉस्फोरस चक्रों में असंतुलन शामिल हैं। इन सीमाओं को पार करने से अब पृथ्वी की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। जिससे गरीबी उन्मूलन और जीवन की गुणवत्ता सुधारने के सारे प्रयासों को सीधा नुकसान पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का यहां यह भी कहना है कि इन सभी परिवर्तनों में जलवायु परिवर्तन सबसे गंभीर पार की गई सीमा है, क्योंकि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर 350 भाग प्रति मिलियन से बढ़कर 395 भाग प्रति मिलियन हो गया है। यह स्थिति पृथ्वी की प्रणाली में अचानक और अपरिवर्तनीय परिवर्तनों का कारण बन सकती है,जैसे कि आर्कटिक बर्फ की चादरों का पिघलना, जो और अधिक ग्रीनहाउस गैसों को मुक्त कर सकता है।

मनुष्य उर्जा का भंडार है। वह उर्जा जिसके बिना प्रकृति अधूरी है। लेकिन यहां प्रकृति मनुष्य से उसके हित और विस्तार की उपेक्षा करती है, न कि उसके विध्वंस का। आज मनुष्य अपनी उर्जा का प्रयोग अपने हित के लिए कर रहा है। हालांकि, पहले भी मनुष्य अपनी प्रतिभा का प्रयोग अपने लाभ के लिए करता आया है। लेकिन, यहां फर्क बस इतना है,कि पहले मनुष्य प्रकृति के साथ साझेदारी बनाकर अपना विकास करता था,जोकि आज प्रभुत्व से बदल गया है। हाल ही में हुआ हैदराबाद का कांचा गाचीबोवली विवाद इसका सटीक उदाहरण है,जहां 30 मार्च से 2 अप्रैल के बीच,आईटी पार्क के निमार्ण के चलते लगभग 2 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के जंगल और वनस्पतियों को नष्ट कर दिया गया। यह उदाहरण असल में मनुष्य का स्वार्थ साबित कर देता है,जहां मनुष्य अपने हित के लिए कार्य कर रहा है। जहां उसे प्रकृति से कुछ लेना-देना नहीं है। आज मनुष्य की बुद्धिमत्ता, उसकी जिज्ञासा और रचनात्मकता ने उसे विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। लेकिन जब यही बुद्धिमत्ता प्रकृति के विरुद्ध खड़ी हो जाती है, तब उसका विनाशकारी रूप सामने आता है। आइंस्टीन ने कहा था–हम समस्याएं उसी सोच से हल नहीं कर सकते, जिससे हमने उन्हें पैदा किया है। आज यही बात हमारे समय की सबसे बड़ी सच्चाई है। हमें अब यह समझने की आवश्यकता है कि असली बुद्धिमत्ता वही है, जो सृजन करे, न कि विनाश।

प्रकृति और मानव के बीच का संतुलन ही स्थायी विकास की कुंजी है। यदि हम वाकई बुद्धिमान हैं, तो हमें अपने विकास की गति को प्रकृति की मर्यादाओं के अनुरूप ढालना होगा। गांधीजी का यह कथन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है–पृथ्वी हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा कर सकती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को नहीं। इसलिए आज आवश्यकता है एक ऐसी चेतना की,जो बुद्धिमत्ता को जिम्मेदारी से जोड़ सके,ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस धरती को उतना ही सुंदर और जीवनदायी पाएँ, जितना हमें विरासत में दिया गया। आज मनुष्य कि बुद्धिमत्ता उसे इसलिए वाकी जीवों से अलग करती है, क्योंकि वह प्रकृति को अन्य जीवों से ज्यादा समझ पाया है। यही वजह है कि मनुष्य प्रकृति का ज्यादा उपयोग कर पाया। आज यह हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि हम प्रकृति का सम्मान करें। चूंकि हमारी बुद्धिमत्ता प्रकृति की देन है, हमें उसका ऋणी होना चाहिए। अंततः हम और हमारी बुद्धिमत्ता का परिचय सतत विकास के साथ हो, यह हमारा आज प्रयास होना चाहिए।

बढ़ते अपराध और समाज की भूमिका

अपराधी प्रवृति और समाज के बीच गहरा संबंध है। समाज की संरचना, मूल्यों में हो रही गिरावट, आर्थिक असमानता, शिक्षा की कमी और सामाजिक न्याय की अनदेखी जैसे कारण अपराध को बढ़ावा देते हैं। सामाजिक असमानता और आर्थिक कारण.गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक हताशा लोगों को गैरकानूनी रास्तों पर धकेलती है। धन और अवसरों का असमान वितरण अपराध को जन्म देता है, जैसे चोरी,डकैती या धोखाधड़ी। शिक्षा और संस्कार की कमी शिक्षा का अभाव लोगों को सही-गलत का फर्क समझने से रोकता है। परिवार और समुदाय द्वारा नैतिक मूल्यों की अनदेखी युवाओं को अपराध की ओर मोड़ती है। कानून व्यवस्था में कमजोरियाँ पुलिस और न्याय प्रणाली की अक्षमता अपराधियों को प्रोत्साहित करती है। कानून का डर न होने से अपराधी बेखौफ होकर गलत कार्य करते हैं। मीडिया और संस्कृति का प्रभाव फिल्मों, सोशल मीडिया और समाचारों में हिंसा या अपराध का ग्लैमराइजेशन युवाओं को गलत राह दिखाता है। सामाजिक मानदंडों का क्षरण भी हिंसा और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। समाज की निष्क्रियता लोग अक्सर चुप्पी की संस्कृति अपनाकर अपराध को नजरअंदाज करते हैं,जिससे अपराधी और शक्तिशाली होते हैं।-सामुदायिक भागीदारी की कमी और पड़ोसियों के बीच बढ़ती उदासीनता अपराध को रोकने में बाधक है। समाधान के उपाय-शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाकर युवाओं को सही दिशा देना। कानून प्रवर्तन को मजबूत करना और सामाजिक जागरूकता फैलाना। परिवार और समुदाय को नैतिक शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी का पालन करने के लिए प्रेरित करना। अपराध को रोकने में समाज की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। यदि लोग जागरूक हों, कानून का सहयोग करें और नैतिक मूल्यों को बनाए रखें, तो अपराध पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

–विवेक रंजन श्रीवास्तव–

ग्लोबल वार्मिंग के लिए अमेरिका,इंग्लैंड और यूरोपीय देश जिम्मेदार

संजीव ठाकुर
रायपुर छत्तीसगढ़,

ग्लोबल वार्मिंग या धरती की उष्णता की जब भी कहीं चर्चा होती है तो यह निश्चित तौर पर अमेरिका,इंग्लैंड और तमाम यूरोपीय देश जिसमें फ्रांस,इटली, कनाडा इजरायल ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड तथा पश्चिम एशिया के धनवान देश में इस्तेमाल की जा रही ऊर्जा के कारण जहां वातानुकूलित मशीने, कल कारखाने, मोटर वाहन एवं अन्य ऐसी मशीने जिनसे कार्बन डाइऑक्साइड एवं दूषित हवा वायुमंडल में फैलती है ही बड़े जिम्मेदार होते हैं और इसका खामियाजा दक्षिण एशिया दक्षिण अफ्रीका और छोटे-छोटे देश को उठाना पड़ता है। ग्लोबल वार्मिंग के उपाय के लिए आयोजित बड़े-बड़े सम्मेलनों में यही बड़े देश अपनी जिम्मेदारी छोटे-छोटे देश पर डालकर निवृत्ति हो जाते हैं। जबकि सारा किया कराया इन्हीं देशों का होता है और छोटे-छोटे देश को इसके लिए नियमन पालन की जिम्मेदारी सौंप जाती है। भारत जैसे विकासशील देश में ही जहां गरीबी ने अपना परचम फैला रखा है। शहरों में पेट्रोल,डीजल, केरोसिन से चलने वाली गाड़ियों और वातानुकूलित यंत्रों याने ए,सी की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होने से वातावरण में उष्णता बढ़ते जा रही हैय इसके अलावा वनों का विनाश एक भयानक समस्या के रूप में देश में फैलता जा रहा है। अंधाधुंध फैक्ट्रियों एवं मशीनों के उपकरणों से निकलने वाले धुंए से वातावरण विषैला बनाकर मनुष्य और जीव जंतुओं का जीना दूभर कर दिया है। वनों की कटाई के साथ-साथ कंक्रीट के जंगल धीरे-धीरे गांव की तरफ बढ़ने लगे हैं, ऐसे में शुद्ध वायु और और तापमान में आश्चर्यजनक बदलाव जिसके परिणाम स्वरूप वर्षा ऋतु के परिवर्तन एवं बारिश में न्यूनता आने से धरती के तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसी के चलते देश के कई शहरों में तापमान 48 से 50 सेल्सियस होने के कारण पशु पक्षी एवं मनुष्य की हीट स्ट्रोक से मृत्यु हुई हो जाती है। पानी की कमी तथा शरीर में डिहाइड्रेशन से लोगों की तथा वन्य पशुओं की लगातार मृत्यु हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग का खतरा वैज्ञानिकों के अनुसार पूरे विश्व में बहुत बढ़ गया है और ऐतिहासिक तौर पर पिछले दो से तीन सौ वर्षों की तुलना की जाए तो बीते कुछ वर्षों में धरती का तापमान आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति से बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के पास ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए कुल मिलाकर 10 से 15 वर्ष ही शेष है। वैज्ञानिकों की यह बातें और रहस्योद्घाटन मानवता को डराने वाला जरूर है पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके उपायों की जो घोर अनदेखी की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय है। मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक भी है। ग्लोबल वार्मिंग न सिर्फ मनुष्य के लिए

खतरा है बल्कि जीव-जंतुओं समुद्र मैं पाए जाने वाले जीवो के लिए भी यह अत्यंत विषैला तथा खतरनाक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार जीवाश्म ईंधन के दशक ने एवं जलने से ग्लोबल वार्मिंग का तापमान तेजी से बढ़ा है एवं पूरी पृथ्वी जीवाश्म ईंधन के जलने से तेजी से धड़क रही है। वैज्ञानिकों की चेतावनी तथा दिए गए प्रमाण के बाद भी अनेक देश जो कार्बन उत्सर्जन के बड़े जिम्मेदार हैं, जीवाश्म ईंधन की इस्तेमाल को कम करने या खत्म करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। जीवाश्म ईंधन की खपत खत्म होने की बात तो दूर है कम करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, और तो और इसके आसार भी निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रहे हैं। भारत को छोड़कर अन्य यूरोपीय देशों जिसमें अमेरिका ब्रिटेन के अलावा 32 देशों ने जो कार्बन उत्सर्जन एवं जीवाश्म ईंधन के उपयोग के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं,सम्मेलन कर इस पर चिंता जरूर जताई है पर इसमें स्पष्ट तौर पर अमेरिका,ब्रिटेन,जापान चीन,रूस की दादागिरी दिखाई देती है,यह छोटे गरीब देशों पर सारी जिम्मेदारी लादने का काम कर रहे हैं । विश्व के कुल देशों में से लगभग 50 देश ऐसे हैं जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग कर पृथ्वी को धधकाने के कार्य का 60 प्रतिशत तक हिस्सेदारी रखते हैं। लेकिन इन देशों को ग्लोबल वार्मिंग की चिंता की बजाए विकासशील देश एवं गरीब देशों पर पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर ग्लोबल वार्मिंग के नाम पर दोषारोपण कर के अपनी इतिश्री कर लेते हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण चिंतन जितने भी सम्मेलन हुए हैं इसमें बड़े देशों की नीति एवं दादागिरी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। चीन जो सबसे बड़ा कार्बन का उत्सर्जक देश है उसने पर्यावरण पर हुए सम्मेलनों में हिस्सेदारी तो दूर उसकी तरफ ध्यान देना भी उचित नहीं समझा। इंटरनेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी ने चेतावनी दी है कि धरती के तापमान की वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक कटौती करनी होगी। 2010 से लेकर 2021 तक दुनिया का औसत वार्षिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन मानव इतिहास में सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है जो सर्वाधिक खतरे के निशान से भी ऊपर है। फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के वजह से होने वाली ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हमें अपने उत्सर्जन को लगभग शून्य पर लाना होगा,और इस कार्य के लिए पूरी दुनिया को ऊर्जा क्षेत्र में बड़े और कार्यकारी बदलाव लाने होंगे,इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के उपभोग में भारी कमी भी लानी पड़ेगी। विगत 3 वर्षों में अक्षय ऊर्जा स्रोतों में जैसे सौर एवं पवन ऊर्जा साथी स्टोरेज बैटरी की लागत में आश्चर्यजनक गिरावट आई है जो लगभग गैस तथा कोयले की कीमत के बराबर हो गए हैं। कार्बन उत्सर्जन अभी 54 प्रतिशत अधिक है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो दुनिया के सब अमीर देश अकेले विश्व के कुल गैस उत्सर्जन के लिए बड़े जिम्मेदार पाए गए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा है कि अगले आठ दस सालों में अपने गैस उत्सर्जन में कटौती को आधा यानी 50 प्रतिशत से कम नहीं करती है तो वर्ष 2050 तक उसे शून्य स्तर पर लाना होगा, अगर ऐसा नहीं किया तो पृथ्वी को तबाह होने से कोई नहीं रोक सकता है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो भारत मोटे तौर पर ग्रीन हाउस गैसों के कुल वैश्विक उत्सर्जन में सहित 6.8 प्रतिशत का हिस्सेदार है। 1990 से लेकर 1920 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में एक में 175 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 2013 से 2021 के बीच देश के प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की मात्रा 17 फ़ीसदी बढ़ी है,राहत की बात यह है कि अब भी भारत का उत्सर्जन स्तर जी-20 देशों के औसत स्तर से बहुत नीचे है। देश में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत की है, भारत की कुल ऊर्जा आपूर्ति में जीवाश्म ईंधन आधारित प्लांट का योगदान 74 प्रतिशत है। यदि कार्बन उत्सर्जन को रोका नहीं गया और जीवाश्म ईंधन के उपयोग की रफ्तार यही रही तो भारत सहित विश्व के अधिकांश देश अपनी धरती को बचाने में सक्षम नहीं होंगे।

कविता
मंगल करते भोले...

घटती-घटना
कार्तिकेय कुमार
गांधीनगर इंदौर
मध्यप्रदेश

मंगल-मंगल करते भोले,
जब-जब याद करें उनकी,
आओ हम सब प्रेम से ले लें,
भक्ति के सागर में डुबकी।
मंगल-मंगल.....
जब-जब हमनें अच्छाई के,
पथ पर कदम बढ़ाए हैं,
तब-तब भोले नें जीवन में,
खुशियों के दीप जलाए हैं।
मंगल-मंगल .....
सुख-दुख के पलड़े में भोले,
भेदभाव नहीं करते हैं,
बांध दो इच्छाओं की गठरी,
भोले सबको तरते हैं।
मंगल-मंगल ......
अच्छे और बुरे कर्मों को,
भोले खुद तोला करते हैं,
जो जन-जन में आस जगाता,
भोले खुद झोला भरते हैं।
मंगल-मंगल ....
स्वर्ग-नर्क कुछ भी नहीं होता,
आसमान और तारों में,
भोग लिखा इस धरती पर ही,
भोले के जयकारों में।
मंगल-मंगल .....

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

मृत्यु पर विजय के पर्व ईस्टर पर चर्चों में विशेष प्रार्थना

देर रात तक मनी खुशियां, जमकर हुई आतिशबाजी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

अंधकार में भटक रहे लोगों को क्या मालूम की ईस्टर का अर्थ आशा होता है। लेकिन दुनिया आज युद्ध के आगोश में सिसक रही है। गरीब पड़ोसी देश को कुचलकर लूटकर धनी देश और धनवान हो जाने की होड़ में लगे हुए हैं। हमारे देश में भी न्याय,दया,क्षमा जैसे सद्गुण हमसे दूर होते चले जा रहे हैं। विश्वास व मानवीय मूल्य आखिरी सांस ले रहे हैं। उक्त बातें सरगुजा धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष बिशप अंतोनिस बड़ा ने प्रभु ईशा के मृत्यु पर विजय के पर्व ईस्टर की पूर्व संध्या पर नवापारा स्थित बेदाग ईशमाता महा गिरजाघर में समुदाय को संबोधित करते हुए अपने संदेश में कही।

चर्च परिसर में शनिवार रात 10 बजे से विशेष प्रार्थना प्रारम्भ हुई और देर रात तक चला। कार्यक्रम पूण्य शनिवार की रात 10 बजे पास्का मोमबत्ती के आशीष के बाद समुदाय द्वारा घरों लाई हुई मोमबत्तियां को पास्का मोमबत्ती से प्रज्ज्वलित कर समस्त धर्म विधियां प्रारंभ हुई। समस्त धार्मिक अनुषठान बिशप अंतोनिस बड़ा की अगुवाई में व्हिकर जनरल फादर विलियम उर्रे,पल्ली पुरोहित फादर जार्ज ग्रे कुजूर ने संयुक्त रूप से सम्पन्न कराई। इस दौरान पवित्र बाइबिल से आठ पाठों का वाचन फ्रांसिस केरकेट्टा, शिलानंद खाखा,मनोज एक्का, सिस्टर अंजेला टोप्पो, सिकंदर तिग्गा, अलका लकड़ा,प्रदीप तिग्गा,सिस्टर आशा खलखो आदि लोगों द्वारा किया गया। इस अवसर इस अवसर पर विधायक लुंड्रा प्रबोध मिंज,पूर्व महापौर अजय तिर्की,अरुण मिंज,जगजीत मिंज, बोनिफास दादा,भानू खलखो,बिपिन लकड़ा,फादर माइकल,फा.जकी,फा. कल्यानुस,फा.ज्ञान युवा संघ,महिला संघ के पदाधिकारी,सहित शहर में समुदाय द्वारा संचालित संस्थानों के प्रमुख फादर सिस्टर्स व बड़ी की संख्या में मसीहिजन उपस्थित थे।

भक्ति गीतों से गुंजायमान हुआ परिसर

रात 10 बजे से प्रारंभ होकर देर रात तक चले इस पूरे कार्यक्रम के दौरान बीच बीच में फादर अनुरंजन तिग्गा, फादर जोन जैसवाल व फादर मुक्ति के नेतृत्व में युवा संघ,महिला संघ व काथलिक सभा की टीम ने भक्ति गीतों से चर्च परिसर गुंजायमान होता रहा। दुखभोग काल के पुण्य सप्ताह में प्रभु येसु को समर्पित भक्ति गीतों की प्रस्तुति को भक्तों ने खूब सराहा। आशीष जल के छिड़काव एवं परम प्रसाद वितरण के साथ ही समस्त धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए। दूरस्थ अंचलों में बसे लोगों व घर बैठे बुजुर्गों के लिए इस पूरे कार्यक्रम का यू-ट्यूब पर लाइव प्रसारण की सुविधा भी जेरिन जोसेफ द्वारा उपलब्ध कराई गई थी। 12 बजते ही चर्च की घंटियां बजना शुरू होते ही चर्च के बाजू में ही काथलिक युवा मंच के युवाओं ने जमकर आतिशबाजी कर अपनी खुशियों के संदेश को दिया।

ग्रामीणों ने मंत्री राम विचार नेताम से क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या से कराया अवगत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत कोचली में मंत्री रामविचार नेताम व ओम प्रकाश जायसवाल का आगमन हुआ। ततपश्चात मंत्री ने क्षेत्र से आए हुए ग्रामीणों के समस्याओं से अवगत हुए। क्षेत्र के ग्रामीणों ने एक स्वर में लो वोल्टेज कि समस्या से मंत्री राम विचार नेताम को अवगत कराया। उन्होंने ने सभी क्षेत्रवासियों को विश्वास दिलाया की जल्द से जल्द लो वोल्टेज की समस्या को दूर कराएंगे व रुके हुए विद्युत विभाग के सब स्टेशन डवरा के कार्य को गति देने हेतु अधिकारियों को निर्देशित करेंगे। इसके अलावा अन्य समस्याओं को भी निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य अनीता मरकम,जनपद सदस्य श्रीमुनि, कोचली सरपंच रानो, डोरा सरपंच प्रेमसाय, डुमरखोला सरपंच जीतन राम,उप सरपंच महेंद्र गुप्ता,झालरिया सरपंच,अज्जू गुप्ता, अमित जायसवाल,अर्जुन,मोंटी, प्रेमलाल, महेश काशी, मुलायम,बंशी यादव, हरि नारायण गुप्ता, जतन राम, महेंद्र पोया सहित अन्य उपस्थित थे।

तापमान 40.6 डिग्री, अंबिकापुर में बनी लू जैसी स्थिति

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

द्रोणिका व चक्रवात के चलते पिछले एक सप्ताह से मौसम का मिजाज बदला हुआ था। कभी बादल तो कभी चिलचिताती धूप के कारण उमस की स्थिति बनी हुई थी। इसी बीच गुरुवार से मौसम साफ होते ही तापमान में वृद्धि होनी शुरू हो गई है। रविवार का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री दर्ज किया गया है। तापमान में वृद्धि व चिलचिलाती धूप के कारण लू जैसी स्थिति निर्मित हो गई है। लोग तीखी तेज धूप के बीच घरों से निकलना मुनासिब नहीं समझ रहे हैं। वहीं मौसम विभाग का मानना है कि आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि दर्ज की जाएगी।

विगत सप्ताहभर से आसमान में मौसम में बादल आने से अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट आ गई थी। जिसके चलते गर्मी से कुछ राहत थी,लेकिन अब गुरुवार से बादल कम होने के कारण तापमान में वृद्धि होनी शुरू हो गई है। इससे अधिकतम तापमान 41 डिग्री तक पहुंच गया है। अधिक धूप होने के कारण लोग घरों से निकलना मुनासिब नहीं समझ रहे हैं। विशेष कार्य होने पर लोग गमछे व टावेल से चेहरा ढक़कर बाहर निकल रहे हैं।

तापमान में और होगी वृद्धि

मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल ने बताया कि पश्चिमी भारत में लू चल रही है। उधर से गर्म हवा आने के कारण सरगुजा सहित उत्तरी भारत में तेज गर्मी पडऩी शुरू हो गई है। मौसम वैज्ञानिक का मनना है कि आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि दर्ज की जाएगी। एक-दो दिनों में तापमान में और वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

चेहरे ढ़ंककर बाहर निकल रहे लोग

मौसम साफ होते ही सूर्य के किरणे अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। चहरे को झुलसा देने वाली धूप से बचने के लिए लोग गमछे, टावेल व स्कार्प का सहारा ले रहे हैं। लोग धूप से बचने के लिए चेहरे को ढ़ंकर घरों से बाहर निकल रहे हैं।

अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह का समापन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह का समापन रविवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, नगर निगम महापौर मंजूषा भगत,निगम सभापति हरविंदर सिंह,पार्षद आलोक दुबे रहे। नगरसेन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में संभाग स्तरीय आयुर्वेद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य मुख्यालय एवं शासन स्तर से प्राप्त अत्यधिक सामग्रियों एवं उपकरणों का समुचित प्रयोग किया जाना एवं प्रशिक्षित होना है। अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। समापन कार्यक्रम में संभागीय सेनानी राजेश पांडेय सहित विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईजी दीपक कुमार झा व एसपी होंगे राजेश अग्रवाल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा आईजी आईपीएस अंकित गर्ग का ट्रांसफर एसआईबी आईजी के रूप में नवा रायपुर में हो गया है। अब आईपीएस दीपक कुमार झा सरगुजा के नए आईजी के रूप में पद्भार संभालेंगे। उनका ट्रांसफर राजनांदगांव से सरगुजा में हुआ है। वे 2007 बैच के आईपीएस अफसर हैं। वहीं सरगुजा एसपी योगेश कुमार पटेल का भी तबादला हो गया है, अब आईपीएस राजेश कुमार अग्रवाल नए पुलिस अधीक्षक होंगे। योगेश कुमार पटेल को बालोद का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। सरगुजा के नए राजेश कुमार अग्रवाल इससे पहले सेनानी, वीआईपी सुरक्षा वाहिनी, माना रायपुर के पद पर पदस्थ थे। वे इससे पहले बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के भी पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं।

पीडब्ल्यूडी ऑफिस के विद्युत पैनल में लगी आग,पाया गया काबू

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

पीडब्ल्यूडी ऑफिस के विद्युत पैनल में रविवार की शाम करीब 6 बजे आग लग गई। रविवार का अवकाश होने के कारण कोई बड़ी हादसा नहीं हुई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बूझाई। कोतवाली थाना क्षेत्र के डीसी रोड स्थित पीडब्ल्यूडी ऑफिस में रविवार की शाम करीब 6 बजे आग लग गई थी। लोगों ले इसकी जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम प्रथम टर्न आउट वाहन से तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पीडब्ल्यूडी ऑफिस के विद्युत पैनल में आग लगी हुई थी। टीम ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। आगजनी की घटना में किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।

बच्चों को नशे की लत व उसके दुष्प्रभावों के बारे में दी गई जानकारी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

शहर के माउंट लिट्रा स्कूल में बच्चों को साइबर क्राइम,साइबर सुरक्षा,नशे की लत, मोबाइल की लत,यातायात के प्रावधानों एवं बच्चों में नैतिक मूल्यों के प्रति जागरुक किया गया। यह कार्यक्रम स्वैच्छिक संगठनों एवं सरगुजा पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केन्द्र तथा उमंग महिला एवं बाल उत्थान सोसायटी द्वारा किया गया। इस दौरान प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संजू बहन ने बच्चों को अनावश्यक मोबाइल का उपयोग नहीं करने हेतु जागरूक किया गया। नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के संयोजक सह निर्देशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी मंगल पाण्डेय द्वारा बच्चों को नशे की लत व उसके दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। साथ ही बच्चों के व्यक्तित्व विकास में स्मार्ट कार्यों की अवधारणा को समझाया गया। नवा बिहान के समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा के द्वारा समूह चर्चा के माध्यम से बच्चों की सामान्य आदतों को चिन्हांकित किया गया। उनमें से बच्चों के जीवन एवं व्यक्तित्व विकास में बाधक आदतों को नहीं करने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान उमंग महिला एवं बाल उत्थान सोसायटी की अध्यक्ष हिना खान एवं सदस्य रीना ठाकुर,उप निरीक्षक यातायात अभय तिवारी ने भी संबोधित किया। इस दौरान स्कूल के डायरेक्टर प्रतीक दीक्षित,वाइस प्रिंसिपल दीक्षा सिंह तथा समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

बच्चों को दिलाया गया संकल्प

अजय तिवारी आर्ट ऑफ लिविंग ने कहा कि आध्यात्मिक पथ पर चलना भी आवश्यक है ताकि स्वयं की कमियों एवं अच्छाइयों की जानकारी हो सके। जीवन को बेहतर तरीके से जीने के लिए योग्य,प्राणायाम,ध्यान,साधना का निरंतर अभ्यास ही हमें उत्कृष्टता की ओर ले जायेगा। साथ ही छात्र-छात्राओं को न नशा करेंगे न नशा करने देंगे का संकल्प दिलाया गया।

विवादित नहर परियोजना पर सिंध से बातचीत करेगी पाकिस्तान सरकार,बढ़ जाएगा पानी संकट

इस्लामाबाद,20 अप्रैल 2025। पाकिस्तान की संघीय शहबाज शरीफ सरकार ने सिंध सरकार के साथ विवादित नहर परियोजना पर बातचीत शुरू करने का फैसला लिया है,जो दक्षिणी सिंध में अशांति का कारण बन सकती है। एक वरिष्ठ प्रांतीय मंत्री ने रविवार को यह जानकारी दी।

सिंध में पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) का लगातार तीसरा कार्यकाल है और केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा भी है। यह सिंध नदी से नई नहरों के निर्माण के खिलाफ विरोध का नेतृत्व कर रही है। सिंध सरकार को चिंता है कि चोलिस्तान नहर जैसी परियोजनाएं सिंध के पानी को दक्षिण पंजाब में भूमि सिंचाई के लिए मोड़ सकती हैं, जिससे सिंध में पानी की कमी और भी बढ़ जाएगी।

रविवार को सिंध के वरिष्ठ मंत्री शरजील मोमेन ने पुष्टि की कि संघीय सरकार ने इस मुद्दे को बातचीत के जरिए हल करने के लिए बैठने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सलाहकार और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) की पंजाब इकाई के अध्यक्ष राणा सनाउल्लाह ने उनसे संपर्क किया था, ताकि इस प्रक्रिया की शुरुआत की जा सके।

प्रदर्शनकारियों ने मंत्री पर किया हमला

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक हिंदू राज्य मंत्री पर रविवार को प्रदर्शनकारियों ने हमला किया। ये प्रदर्शनकारी पाकिस्तान सरकार की विवादास्पद सिंचाई नहर परियोजनाओं का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि इन परियोजनाओं के कारण नदियों के प्रवाह में कमी आएगी, जो दक्षिणी पाकिस्तान में सिंचाई के लिए बहुत जरूरी हैं।

इस बीच, पुलिस ने सिंध तरक्की पसंद पार्टी के नेता सैयद जलाल शाह को गिरफ्तार किया है, जो कोहिस्तानी के काफिले पर हमले में शामिल थे। इस मामले में पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं का नाम भी प्राथमिकी में दर्ज किया गया है।

शरीफ ने कोहिस्तानी पर हमले की कड़ी निंदा की और घटना की पूरी जांच का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, जनप्रतिनिधियों पर हमला अस्वीकार्य है। इस घटना में शामिल लोगों को कड़ी सजा दी जाएगी। कोहिस्तानी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सदस्य हैं और प्रदर्शनकारी उनकी पार्टी की संघीय सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे।

सूचना मंत्री अत्ता तरार ने भी इस घटना का संज्ञान लिया और इसे हमला करार दिया। उन्होंने सिंध पुलिस के पुलिस महानिदेशक गुलाम नबी मेमन से घटना की जानकारी मांगी और केंद्रीय गृह सचिव से रिपोर्ट भी तलब की। सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने इस कृत्य की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

चीन से बात कर रहा है अमेरिका,टैरिफ की लड़ाई के बीच डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन,20 अप्रैल 2025। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र अमेरिका टैरिफ को लेकर चीन के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा,उन्हें विश्वास है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं एक कड़वे व्यापार युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौता कर सकती हैं। ट्रंप ने कहा, हां,हम चीन से बात कर रहे हैं। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा कि मैं कहूंगा कि उन्होंने कई बार संपर्क किया है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से सीधे बात की है? तो उन्होंने इस पर कोई जवाब नहीं दिया, जबकि उन्होंने पहले भी कई संकेत दिए थे कि उन्होंने इस बारे में बात की है। शी के साथ बातचीत के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं कहा कि ऐसा हुआ है या नहीं। यह उचित नहीं है। पत्रकारों की ओरसे यह पूछे जाने पर कि क्या शी ने उनसे संपर्क किया है? ट्रंप ने जवाब दिया कि आपको लगता होगा कि यह बहुत स्पष्ट है कि उन्होंने ऐसा किया है,लेकिन हम जल्द ही इस बारे में बात करेंगे।

ये बेहद दर्दनाकःपूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ केनेडी की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज जारी,बेटी ने जताई नाराजगी

वॉशिंगटन , 20 अप्रैल 2025। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ केनेडी की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक कर दिए हैं। इन दस्तावेजों को सार्वजनिक किए जाने पर रॉबर्ट एफ केनेडी की बेटी कैरी ने निराशा जाहिर की है और कहा है कि उन्हें इससे बहुत दुख हुआ है। कैरी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ये बेहद दर्दनाक है कि हमें उनके पोस्टमार्टम के दौरान की तस्वीरें देखनी पड़ रही हैं।

क्या बोलीं कैरी केनेडी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी और उनके भाई रॉबर्ट एफ केनेडी की 60 के दशक में हत्या कर दी गई थी। दोनों की हत्या से जुड़े दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग हो रही थी। जिसके बाद अमेरिकी सरकार ने जॉन एफ केनेडी, रॉबर्ट केनेडी और नागरिक अधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक कर दिए हैं। इस संबंध में राष्ट्रपति ट्रंप ने जनवरी में ही कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रॉबर्ट केनेडी की बेटी कैरी ने कहा कि हम अपने पिता को जिस तरह से याद करते हैं, हम उन्हें उस तरह से नहीं देख पाएंगे बल्कि अब हमें ओटॉप्सी रिपोर्ट,पोस्टमार्टम की तस्वीरों को देखना पड़ेगा और यह बेहद दर्दनाक है।

कैरी ने ट्रंप प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि इनकी सरकार में अनगिनत लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। कैरी केनेडी ने अल सल्वाडोर निर्वासित किए गए गार्सिया का जिक्र किया। साथ ही नौकरी से निकाले गए संघीय कर्मचारियों, ट्रांसजेंडर्स को हो रही परेशानी की ओर भी इशारा किया। कैरी ने कहा कि ट्रंप प्रशासन को लगता है कि वे हमें दफना सकते हैं, लेकिन हम इन परेशानियों से उभरेंगे और मजबूत होकर आएंगे।

हत्या से जुड़े 10 हजार पन्ने सार्वजनिक किए गए

गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक करने का एलान करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अब सबकुछ सामने आ जाएगा। दरअसल केनेडी बंधुओं की हत्या को लेकर कई षडयंत्र सिद्धांत है। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया था कि उन्हें गोपनीयता हटाने के प्रयास करने और सच्चाई पर प्रकाश डालने का सौभाग्य मिला है, जो लंबे समय से अटका हुआ था। हाल ही में अमेरिकी सरकार ने रॉबर्ट कैनेडी की हत्या की जांच से जुड़े 10,000 पन्नो को सार्वजनिक करने का आदेश दिया था। केनेडी के बेटे रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ट्रंप के करीबी हैं और फिलहाल ट्रंप प्रशासन में स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव के रूप में काम कर रहे हैं। रॉबर्ट एफ केनेडी की हत्या के आरोप में जॉर्डन मूल के सिरहान को गिरफ्तार किया गया था,जो अभी जेल में बंद है।

राजशाही समर्थकों का सरकार को ठेंगा,चेतावनी के बावजूद प्रतिबंधित क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन किया

काठमांडू,20 अप्रैल 2025। नेपाल की राजशाही समर्थक ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार के साथ आर-पार के मूड में है। दरअसल रविवार को नेपाल की राजशाही समर्थक राजनीतिक पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) राजधानी काठमांडू में विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस प्रदर्शन को लेकर नेपाल सरकार के गृह मंत्रालय ने चेतावनी दी थी कि प्रदर्शनकारी प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रदर्शन न करें, लेकिन चेतावनी के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने प्रतिबंधित क्षेत्र में भी विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रविवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास और संसद भवन के पास विरोध रैली निकाली और राजशाही को बहाल करने और नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग की।

बिजुलीबाजार-बानेश्वर क्षेत्र में रविवार को एकत्र हुए लगभग 1,500 प्रदर्शनकारियों ने गणतंत्र प्रणाली मुर्दाबाद, हमें राजशाही वापस चाहिए, भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद, नेपाल को हिंदू राज्य के रूप में स्थापित करो जैसे नारे लगाए और तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेंद्र लिंगदेन, वरिष्ठ नेता पशुपति शमशेर राणा और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक ध्रुब बहादुर प्रधान सहित अन्य लोगों ने किया। प्रदर्शन को देखते हुए काठमांडू में प्रमुख स्थानों पर हजारों की संख्या में दंगा रोधी पुलिस तैनात की गई है। राजशाही समर्थकों के एक समूह ने नया बनेश्वर क्षेत्र में स्थित संसद भवन के पास विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही भद्रकाली में पीएम कार्यालय, सरकारी सचिवालय भवन के पास भी प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन किया।

आरपीपी के एलान पर गृह मंत्रालय की चेतावनी

दरअसल राजशाही समर्थक आरपीपी ने विरोध प्रदर्शन के दौरान सरकार द्वारा तय प्रतिबंधित क्षेत्रों को तोड़ने की अपनी मंशा को खुले तौर पर घोषित किया था। जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए गृह मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि कानून का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने बयान में कहा,गृह मंत्रालय ने 20 अप्रैल, 2025 को कानूनी रूप से तय किए गए निषिद्ध क्षेत्रों का उल्लंघन करने की योजना के बारे में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नाम से जारी समाचार रिपोर्टों और सार्वजनिक बयानों को गंभीरता से लिया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि संविधान और कानून के उल्लंघन को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों या समाज में अराजकता फैलाने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठकों का दौर जारी

नेपाल में राजशाही समर्थक विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए प्रधानमंत्री के आवास पर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और सीपीएन (माओवादी सेंटर) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल के बीच अहम बैठक हुई। इस बैठक में गणतांत्रिक व्यवस्था और लोकतंत्र के समर्थन में एकजुट होने पर सहमति बनी। गौरतलब है कि राजशाही समर्थक ताकतों ने राजशाही को बहाल करने के उद्देश्य से काठमांडू के तिनकुने इलाके में बीते मार्च के अंत में विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी और सैंकड़ों अन्य घायल हुए थे। रविवार के विरोध प्रदर्शन से पहले पूर्व राजा ज्ञानेंद्र ने भी अपने निवास पर आरपीपी के नेताओं और राजशाही समर्थक नेताओं से मुलाकात की थी।

आठ माह बाद आईएसएस से लौटे दो रूसी व एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री, आज एक के जन्मदिन का जश्न; नासा ने दी बधाई

मॉस्को,20 अप्रैल 2025। अंतरिक्ष में सात महीने बिताने के बाद दो रूसी और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री वरिवार सुरक्षित धरती पर लौट आए। ये तीनों अंतरिक्ष यात्री सोयुज कैप्सूल के जरिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से लौटे।

कहां उतरा कैप्सूल ?

रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के अनुसार, सोयुज कैप्सूल ने रविवार सुबह 6:20 बजे कजाखस्तान के झेजकाजगन शहर के पास खुले मैदान में सफलतापूर्वक लैंडिंग की। पैराशूट की मदद से हुई यह लैंडिंग पूरी तरह सुरक्षित और सामान्य रही।

कौन-कौन थे इस मिशन में शामिल ?

इस कैप्सूल में दो रूसी अंतरिक्ष यात्री एलेक्सी ओवचिनिन और इवा वैगनर और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अंतरिक्ष यात्री डॉन पेटिट शामिल थे। नासा ने बताया कि ये तीनों अंतरिक्ष यात्री कुल 220 दिन अंतरिक्ष में रहे और इस दौरान पृथ्वी ने 3,520 बार परिक्रमा की।

दिलचस्प बात यह रही कि नासा के डॉन पेटिट का रविवार को 70वां जन्मदिन था और उसी दिन वे धरती पर लौटे। यह उनके लिए यादगार दिन बन गया। नासा ने पेटिट को जन्मदिवस की बधाई दी।

अब आगे क्या होगा ?

उतरने के बाद सभी अंतरिक्ष यात्रियों की नियमित मेडिकल जांच की गई। इसके बाद उन्हें करागांडा (कजाखस्तान) के रिकवरी जोन ले जाया गया। यहां से डॉन पेटिट अमेरिका के ह्यूस्टन स्थित नासा के जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र के लिए रवाना होंगे, जबकि रूसी अंतरिक्ष यात्री रूस के स्टार सिटी ट्रेनिंग बेस जाएंगे।

जापानी अंतरिक्ष यात्री को कमान सौंपी

इस मिशन से लौटने से पहले शुक्रवार को एलेक्सी ओवचिनिन ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की कमान जापान के अंतरिक्ष यात्री ताकुया ओनिशी को सौंपी थी।

देवर-भाभी की मौत, खाई में गिरी बाइक

- संवाददाता -
बलरामपुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

जिले के जरवा थाना क्षेत्र में रविवार भोर में एक मोटरसाइकिल के अनियंत्रित होकर पलट जाने से एक युवक और उसकी भाभी की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे घायल हो गए। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) योगेश कुमार ने बताया कि, कटकुइन्या गांव निवासी संजय (22) अपनी भाभी सुनीता (25) एवं उसके दो बच्चों? -सुग्रीव (छह) और दो वर्षीय पीहू के साथ मेला देख कर मोटरसाइकिल से गांव लौट रहा था और चौहतर कला गांव के पास मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। एएसपी ने बताया कि, हादसे में मोटरसाइकिल सवार संजय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुनीता एवं उसके दोनों बच्चे सुग्रीव तथा पीहू गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सामुदायिक केंद्र तुलसीपुर लाया गया।

पुलिस के मुताबिक,डॉक्टरों ने सुनीता को मृत घोषित कर दिया जबकि बच्चों की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

नवीन सर्व सोनार समाज कल्याण समिति की कार्यकारिणी गठित,सुरेश बने संभाग अध्यक्ष

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर के विश्वकर्मा मंदिर सभा कक्ष में नवीन सर्व सोनार समाज कल्याण समिति की कार्यकारिणी गठन किया गया।

बैठक में सर्व सहमति से संरक्षक एवं एडिटर शिवराम सोनी, सरगुजा संभाग अध्यक्ष सुरेश कुमार सोनी डूमरडीह, उपाध्याय रघुनाथ सोनी, महासचिव सुरेश कुमार सोनी राजपुर, कोषाध्यक्ष अंबिका सोनी, सह सचिव गणेश सोनी को चुना गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को फूल माला से भव्य स्वागत किया गया। नवीन सर्व सोनार समाज कल्याण समिति के सरगुज़ा संभाग अध्यक्ष सुरेश कुमार सोनी ने कहा कि समाज ने मुझे जो दावित्व सौंपा है मैं समाज के हित में पूरी निष्ठा के साथ कार्य करूंगा। समाज को आगे बढ़ाना है, एकता के साथ सभी को मिलकर समाज के हित मे कार्य करना है।

इस दौरान सरगुजा जिले से जवाहर सोनी, अशोक सोनी, बबलू सोनी, संतोष सोनी, बलरामपुर जिले से नरेश सोनी, सुरेश सोनी, अरुण सोनी, ओमप्रकाश सोनी, संतोष सोनी, नंदलाल सोनी,सुरजपुर जिला से कंचन सोनी,अनिल गुप्ता,धरम सोनी,कृष्णा सोनी,श्याम बाबू सोनी, दिनेश सोनी,जशपुर जिले से सुनील सोनी,राजा सोनी सहित सरगुज़ा संभाग के नवीन सर्व सोनार समाज कल्याण समिति के सदस्य मौजूद थे।

भाजपा विधिक प्रकोष्ठ की बैठक सम्पन्न

» संगठन की मजबूती और जनजागरूकता पर हुआ मंथन...

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में भाजपा विधिक प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विधिक प्रकोष्ठ के महत्व, संगठनात्मक सुदृढ़ता एवं जनहित में उसकी भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष श्री भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि अधिवक्ताओं ने इस देश के निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उनके नेतृत्व और समर्पण ने भाजपा को एक नई ऊँचाई दी है। विधिक प्रकोष्ठ जितना संगठित और सशक्त होगा, पार्टी की कार्य कुशलता उतनी ही अधिक बढ़ेगी। अधिवक्ता समाज को दिशा देने वाले स्तंभ हैं, जो विधि और न्याय के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं।

अंबिकापुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने अपने संबोधन में कहा कि विधिक प्रकोष्ठ न केवल कानूनी मामलों में मार्गदर्शन देने वाला अंग है, बल्कि यह संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का भी सशक्त माध्यम है। अधिवक्ताओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए।

इस अवसर पर अधिवक्ता एवं भाजपा नेता अभिषेक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनहित में निरंतर नए कानून ला रही है। इन कानूनों की सरल और सटीक जानकारी जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी विधिक प्रकोष्ठ की है। प्रकोष्ठ का कार्य केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि विधि का ज्ञान जनमानस तक पहुंचाना इसका निरंतर कर्तव्य है।

बैठक का संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भाजपा नेता अशोक दुबे ने किया तथा आभार प्रदर्शन अधिवक्ता जन्मेजय पांडे द्वारा किया गया। इस बैठक में आशा तिवारी, श्याम लाल गुप्ता, अरविंद कन्नौजिया, शैलेन्द्र सिंह,धनंजय मिश्रा, शिवशंकर सिंह,अमरेंद्र गुप्ता,राजेश पुरिया,रेखा सोनी,आशा जायसवाल, उषा अग्रवाल,सुरेंद्र पांडे, संदीप तिवारी, मनोज महंत,आर पी महंत,छोटेलाल यादव,दिनेश प्रसाद, कुंदेश्वर कश्यप, प्रशांत राय, सूर्य नारायण सिंह, कमल नयन गुप्ता, विनोद सिंह, बीरेंद्र विश्वकर्मा, विवेक पांडे, प्रकाश मणि त्रिपाठी सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

स्व.दीपक पटेल स्मृति रात्रिकालीन ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ समापन

मनेन्द्रगढ़ इलेवन को हरा कर चिरमिरी इलेवन बनी विजेता टीम,जहाँ खेल होता है,वहाँ ऊर्जा होती है:श्याम बिहारी जायसवाल स्वास्थ्य मंत्री

-संवाददाता-
एमसीबी/मनेन्द्रगढ़ 20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनेन्द्रगढ़ के हाई स्कूल ग्राउंड में नगर के युवा स्व. दीपक पटेल स्मृति रात्रिकालीन ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 का समापन रंगारंग कार्यक्रम के साथ किया गया। इस प्रतियोगिता का फाइनल मैच चिरमिरी इलेवन और मनेन्द्रगढ़ इलेवन के बीच खेला गया, जिसमें चिरमिरी इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। वहीं,मनेन्द्रगढ़ इलेवन की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार स्वरूप 1,41,000/- की राशि प्रदान की गई, जबकि उपविजेता टीम को 71,000/- की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। इस टूर्नामेंट ने न केवल क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया, बल्कि युवाओं में उत्साह और खेल भावना का संचार भी किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती चंपा देवी पावले (जिला अध्यक्ष, भाजपा,एम.सी.बी.)ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती प्रतिमा यादव अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा,मनेन्द्रगढ़,राहुल सिंह,राजकुमार केशरवानी (पूर्व न.पा. अध्यक्ष),श्री सरजू यादव (पूर्व नेता प्रतिपक्ष),श्री लखन लाल श्रीवास्तव, रामचरित द्विवेदी, सुरेश श्रीवास्तव, हफीज मेमन,विनीत जायसवाल,रवि जैन,पार्षद स्वप्निल सिन्हा,पार्षद जमील शाह,पार्षद श्रीमती नीलू जायसवाल,पार्षद श्रीमती माया सोनकर,पार्षद किरण कुजूर के साथ ही मनेन्द्रगढ़ के अनेक पत्रकारगण, नागरिकगण एवं युवा साथी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने कहा कि यह टूर्नामेंट स्व. दीपक पटेल की स्मृति को समर्पित रहा, जिन्होंने हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने और समाज में सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का कार्य किया। यह आयोजन न केवल एक खेल प्रतियोगिता रहा, बल्कि उनके जीवन मूल्यों और सामाजिक योगदान को याद करने का माध्यम भी बना।

इस टूर्नामेंट में अनुशासन,परिश्रम और खेल भावना का जो परिचय दिया

भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती चम्पा देवी पावले ने अपने उद्बोधन में कहा कि खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में अनुशासन,परिश्रम और खेल भावना का जो परिचय दिया,वह अत्यंत सराहनीय है। चिरमिरी इलेवन और मनेन्द्रगढ़ इलेवन दोनों ही टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को रोमांचित कर दिया। विजेता टीम को हार्दिक बधाई और उपविजेता टीम को भी सम्मान के साथ शुभकामनाएं देती हूँ, क्योंकि खेल में जीत-हार से ऊपर होता है 'सम्मानपूर्वक भाग लेना'।

मैं आयोजन समिति और सभी युवा साथियों को सलाम करता हूँ...

भाजपा नेता सरजू यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैं मंच से यह भी कहना चाहता हूँ कि इस तरह के आयोजन युवाओं को नशे से दूर रखते हैं, खेलों से जोड़ते हैं और एक सकारात्मक समाज के निर्माण की ओर कदम बढ़ाते हैं। मैं आयोजन समिति और सभी युवा साथियों को सलाम करता हूँ, जिन्होंने इतनी मेहनत, समर्पण और सहयोग से इस टूर्नामेंट को सफल बनाया।

खेल से बढ़कर कोई साधना नहीं

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल से बढ़कर कोई साधना नहीं, खेलों से बेहतर कोई प्रेरणा नहीं।जहाँ खेल होता है, वहाँ ऊर्जा होती है,और जहाँ युवा खेलते हैं, वहाँ भविष्य खिलते हैं। इन्हीं शब्दों के साथ आप सभी का एक बार फिर धन्यवाद करता हूँ और आशा करता हूँ कि आने वाले वर्षों में यह परंपरा और भी भव्य स्वरूप में आगे बढ़ेगी।

प्रतियोगिता के सफलता के हीरो

प्रतियोगिता में एम्पायर के रूप में भूपेंद्र भण्डारकर, प्रभात गिरि एवं कॉमेंटेटर के रूप में रामचरित द्विवेदी व बिलाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम आयोजक कन्हैया सिंह कमेटी मेंबर विकाश शाह, मोहन गुप्ता, गोलू रैना,भूपेंद्र भंडारकर,अभय तिवारी,मो. आमिर,सौरभ ताम्रकार,रवि सिंह, आकाश रजक,अभिषेक,नवीन,आकाश, गोलू,हेमंत,टीपू,राधे महंत,पप्पू भैया, राजेश रजक,पारेस,राहुल,याकूब,नयन,कमल,अनुज,असीमित,बसंत,फैजान,मनीष, नागेश्वर,नूरेश,रमेश,संतोष,सागर,सलेम,समीर,अंकित,संदीप,संजय,अंशु,विशाल, यूसुफ,आदि,यासिर,राहुल पूरी,आयुष,जगजीत,आकाश,मनोज,गणेश,राजा,विशाल शाह, छोटा प्रकाश आदि का सराहनीय योगदान रहा। इस सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल एवं समस्त युवा मित्रों द्वारा सभी प्रतिभागी टीमों, दर्शकों एवं प्रशासन का आभार प्रकट किया गया।

शराब दुकान खुलने की चर्चा से आक्रोशित ग्रामीणों ने दिया ज्ञापन

-संवाददाता-
कोरिया,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत सोनहत के ग्रामीणों ने ग्राम दुमाडांड ओरगई मार्ग पर प्रथमिक शाला आंगन बॉडी के पास शराब दुकान खोलने के विरोध में एस डी एम सोनहत को ज्ञापन सौप कार्यवाही की मांग किया है, ज्ञापन का हवाला देते हुए जनपद सदस्य सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि प्राथमिक शाला के समीप शराब दुकान खोले जाने की चर्चा से क्षेत्र में आक्रोश पनप गया है, वही सूत्रों की माने तो भवन भी बन कर तैयार हो गया है ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर अगल बगल उरांव एवं राजवाडे समाज की घनी आबादी होने के शाला के आगे शराव दुकान न खोला जावे, शराब दुकान खोले जाने पर हम समस्त ग्रामीणों एवं महिलाओं को घोर आपत्ति है। दुम्मांडांड प्राथमिक शाला एवं आंगनबाड़ी परिसर के 120 मीटर के दायरे में शराब दुकान खोले जाने की चर्चा से भारी मात्रा में आकोश पनप रहा है जबकी केत्र के ग्रामीणों ने उक्त शराब दुकान स्थल क पास दो माह पुर्व सर्वसम्मति एवं जनसहयोंग से मंदिर बनाने का निर्णय लिया था जिसका निर्माण कार्य मई माह से शुरू किया जाना प्रस्तावित है ऐसा ज्ञापन में उल्लेख किया गया है। ऐसे में यदि यहा पर शराब दुकान खोली गई तो पूरे ग्रामीण उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी ग्रामीणों ने दिया है।

ग्राम तेलसरा में परिवार सर्वेक्षण एवं आवास सभा का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

शासन के निर्देशानुसार मोर दुआर, साय सरकार महाअभियान के तहत् जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री राम प्रताप साहू एवं जनपद पंचायत सदस्य पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री जय प्रकाश उपाध्याय द्वारा आवास प्लस 2.0 के माध्यम से सर्वे किया गया।मोर आवास मोर अधिकार एवं आवास प्लस सर्वे 2.0 सर्वेक्षण पखवाड़ा जनपद पंचायत रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत तेलसरा में सांकेतिक रूप से परिवार का सर्वेक्षण किया गया एवं आवास सभा का आयोजन किया गया।

राजन पाण्डेय श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ कोरिया के अध्यक्ष मनोनीत

पत्रकार कल्याण संघ की बैठक फारेस्ट के हसदेव नर्सरी में हुई संपन्न

-संवाददाता-
कोरिया,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

छ.ग. श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ की बैठक हसदेव नर्सरी में संपन्न हुई, बैठक में सर्वसम्मति से कोरिया जिला अध्यक्ष के पद पर राजन पाण्डेय की नियुक्ति हुई एवं एमसीबी जिले के लिए अब्दुल सलाम कादरी को जिम्मेदारी सौंपी गई बैठक में प्रदेश सचिव कृष्ण कुमार सिंह बाबा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य खगेन्द्र यादव, सरगुजा संभागीय अध्यक्ष अजय चक्रधारी, अम्बिकापुर जिला अध्यक्ष परमेश्वर प्रजापति, विवेकानंद पांडेय, संभागीय महासचिव सुरेश मिनोचा,जय जायसवाल, मनोज गुप्ता, मनीराम सोनी,शिव यादव, हुकुम चंद शांडिल्य, बालकरण सोनपाकर, अनिल दुबे सहित श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के सभी साथी उपस्थित रहे।

नवीन जिला एमसीबी में छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ की कमान मृत्युंजय चतुर्वेदी को, महासचिव बने द्रोणाचार्य दुबे

श्रमजीवी पत्रकार संघ एमसीबी के जिलाध्यक्ष ने जिला कार्यकारिणी का किया विस्तार।

-संवाददाता-
एमसीबी,20 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अवस्थी ने संघ के प्रदेश महासचिव विश्वदीपक राई,संभाग अध्यक्ष विनोद शर्मा व पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीराम बरनवाल की सहमति से एमसीबी जिले का जिलाध्यक्ष संघ के वरिष्ठ सदस्य मृत्युजंय चतुर्वेदी को नियुक्त किया है। नव नियुक्त एमसीबी जिलाध्यक्ष मृत्युजंय चतुर्वेदी ने अपने 2025-2026 संघ के नवीन कार्यकारिणी का गठन किया है । गठित कार्यकारिणी में जिलाध्यक्ष-मृत्युजंय चतुर्वेदी मनेन्द्रगढ़, जिला महासचिव-द्रोणाचार्य दुबे चिरमिरी, उपाध्यक्ष-रामचरित द्विवेदी मनेन्द्रगढ़,विनय पाण्डेय मनेन्द्रगढ़,श्रीपत राय चिरमिरी,रमन सिंह चिरमिरी, रफीक मेमन मनेन्द्रगढ़,गुरुदीप अरोड़ा मनेन्द्रगढ़,सचिव- सुमंत गांगुली चिरमिरी,बब्बी शर्मा चिरमिरी,सुजीत शाह मनेन्द्रगढ़, राजेश सिन्हा मनेन्द्रगढ़,अशोक श्रीवास्तव मनेन्द्रगढ़, सुरेन्द्र मिनोचा मनेन्द्रगढ़,सह सचिव- खोंगेन्द्र यादव खोगांपानी, धीरज मौर्य केल्हारी,रविन्द्र सोनी मनेन्द्रगढ़, मो.कासीम नईलेदरी मनेन्द्रगढ़, भीमसेन गुप्ता जनकपुर, जिला कोषाध्यक्ष-लक्ष्मीकांत जायसवाल मनेन्द्रगढ़,जिला सलाहकार-अविनाश कुमार चिरमिरी, जिला संगठन मंत्री/प्रवक्ता नरेन्द्र अरोरा मनेन्द्रगढ़, कार्यकारिणी सदस्य-सुरेश सोनी मनेन्द्रगढ़,श्रीराम बरनवाल चिरमिरी,रविकांत सिह राजपूत मनेन्द्रगढ़,विनीत जायसवाल मनेन्द्रगढ़,राजीव वर्मा चिरमिरी,श्रीकांत शुक्ला चिरमिरी, रतन जैन चिरमिरी,अरूण कुमार श्रीवास्तव मनेन्द्रगढ़, सुरजीत सिंह रैना मनेन्द्रगढ़, उज्जवल चकवर्ती चिरमिरी,कोमल कांत झगराखाण्ड, सहनाज फातीमा चिरमिरी,शरद जायसवाल नागपुर, सुरेन्द्र गुप्ता मनेन्द्रगढ़,अरूण अग्रवाल सुद्धू लाल वर्मा,मनेन्द्रगढ,देवेंद्र पांडे जनकपुर, राम लखन मिश्रा महेंद्रगढ़,मनोज श्रीवास्तव चिरमिरी,मुनेंद्र यादव सूरज मौर्य,अमित वैश्य,एस.एल सिंह नागपुर,मनप्रीत साहनी मनेंद्रगढ़, मुनेन्द्र यादव मनेन्द्रगढ़, अभिजीत मुखर्जी, कृष्णा वस्त्रकार मनेन्द्रगढ़,प्रशांत तिवारी मनेन्द्रगढ को शामिल किया गया है। मनोज श्रीवास्तव चिरमिरी, रामलखन मिश्रा हसदेव कोयलांचल क्षेत्र एवं देवेन्द्र पाण्डेय को जनकपुर को अपने कार्यकारिणी सदस्य निरूपित किया है। जिला कार्यकारी के उपरांत जल्द ही ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा के उपरांत ब्लाक कार्यकारिणी की विधिवत घोषणा की जावेगी।

कलेक्टर ने निर्देश पर एसडीएम ने की ओवर गिट्टी लोड वाहनों पर बड़ी कार्यवाही,9 गिट्टी वाहन को किया ज़ब्त,वाहन मालिकों मे मचा हड़कम्प

क्या ओवरलोड वाहन मालिको के सामने खनिज और यातायात विभाग के अधिकारी है नतमस्तक

प्रतिमाह वाहन मालिको से चौकी-थानो को मिलता है रूपये इसलिए चालकों कोओवर वाहन चलाने की छूट

कुछ वाहन चालकों ने नाम न छापने की सर्त पर बताया कि बरियों,राजपुर,पस्ता,बलरामपुर, रामानुजगंज,रामानुजगंजबॉर्डर सहित झारखंड,बिहार,कुसमी मार्ग में शंकरगढ़,कुसमी,सामरी सहित सरगुज़ा मार्ग पर बरियों,धौरपुर, लुंड्रा,सीतापुर,अंबिकापुर के थाना -चौकी में प्रतिमाह दो हजार से तीन हज़ार रुपए प्रति वाहन के हिसाब से पैसा दिया जाता है। इसी कारण खनिज और यातायात विभाग के अधिकारी वाहनों पर कार्रवाई नही करते।

-संवाददाता-
बलरामपुर/अंबिकापुर,20 अप्रैल 2025 (घटती घटना)।

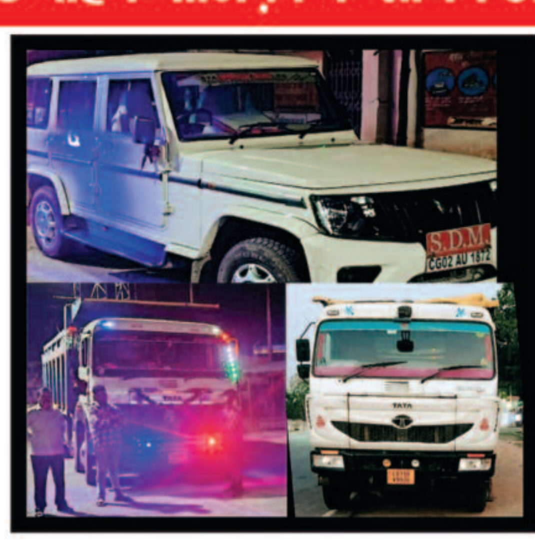

बलरामपुर जिले के कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा के निर्देश पर एसडीएम आंनद राम नेताम ने बीती रात्रि बग़ैर पीटपास, जीएसटी बिल, ओवरलोड गिट्टी की 9 क्रेशर वाहनों को ज़ब्त कर कार्रवाई करने के लिए प्रतिवेदन बनाकर कलेक्टर खनिज शाखा को प्रस्तुत कर रहे है। ओवरलोड वाहन चालकों के सामने खनिज और यातायात विभाग के अधिकारी-कर्मचारी नतमस्तक हैं। एसडीएम आनंद राम नेताम ने बताया कि कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा के निर्देश पर बीती रात्रि करीब 3 बजे से अलसुबह तक कलेक्ट्रेट के पास 2 वाहन,चांदो रोड़ के पास 1 वाहन,न्यू बस स्टैंड के पास 1 वाहन व पुराना बस स्टैंड के पास 5 क्रेशर वाहनों को रुकवाकर वाहन चालकों से दस्तावेज की मांग की गई। चालको ने पीटपास न तो किसी प्रकार का दस्तावेज प्रस्तुत किया। सभी वाहनों को कोतवाली में खड़ा करवाया गया। कार्रवाई करने के लिए प्रतिवेदन बनाकर कलेक्टर खनिज शाखा को प्रस्तुत कर रहे है।

शासन क़ो हो रहा है नुकसान

प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो जिले मे बैठे खनिज और यातायात विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की संलिप्ता से यह अवैध कारोबार चरम सीमा पर संचालित हो रहा है । जिले में खनिज और यातायात विभाग कार्रवाई के नाम पर शून्य है। खनिज विभाग और यातायात विभाग के आलाधिकारी जहां बैठते वहीं से प्रतिदिन करीब 3 सौ ओवरलोड ट्रक,बगैर पीटपास,बगैर जीएसटी बिल के वाहन धड़ल्ले से निकल रहा है,शायद खनिज और यातायात अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है। वही एसडीएम श्री नेताम ने कहा कि बग़ैर पीटपास,जीएसटी बिल,ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगा। इससे पहले भी क्रेशर गिट्टी वाहन,कोयला वाहन,अवैध खनन बोर मशीन पर कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रतिमाह सरकार को करोड़ो का नुकसान

प्रतिदिन करीब 300 ओवरलोड़ ट्रक बगैर जीएसटी बिल व पिटपास के सरगुजा सहित यूपी, झारखंड, बिहार भेजा जा रहा है। एक वाहन का जीएसटी बिल व पिटपास करीब 10 हज़ार रुपए है। प्रतिदिन 300 ट्रक का 30 लाख तो एक माह में 9 करोड़ रुपए की सरकार को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर, जिला-सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर,दिनांक-09-04-2025

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-तुनगुरी
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका-जनी दास पति-अमित दास निवासी ग्राम-तुनगुरी तहसील-लखनपुर के द्वारा अपने (दादी स्व0 सहान) स्व0 सहान की मृत्यु दिनांक- 10/02/2022 को हो जाने से जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3)एवं छ0ग0 जन्म-मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 9(3)के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक-29/04/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी का कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 29/04/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सील
तहसीलदार
लखनपुर

क्या पुलिस को भी निष्पक्ष कार्यवाही के लिए जगाना पड़ता है,
नहीं तो पुलिस भी न्याय का सौदा कर देती है?

खबर प्रकाशन व आंदोलन के बाद पुलिस ने बच्ची की मौत मामले में बढ़ाई धाराएं,दो आरोपियों की हुई गिरफ्तारी:सूत्र

आबकारी विभाग के प्लेसमेंट कर्मचारियों की देखेरेख करने वालों की स्कॉर्पियो वाहन से हुआ बड़ा हादसा

मासूम बच्ची की गई जान

प्लेसमेंट कर्मचारियों की देखरेख करने वालों की स्कॉर्पियो लेकर गए उसके ड्राइवर,खुले मैदान की जगह रहवासी कॉलोनी में नौसिखियों को सिखा रहा था गाड़ी और गाड़ी अनियंत्रित होकर घुसी घर के अहाते में और बच्ची की ले ली जान...

जिस वाहन से 8 साल की बच्ची की जान गई है उस वाहन में आबकारी विभाग के प्लेसमेंट कर्मचारियों की नियुक्ति करने वाले पूर्व जिलाध्यक्ष के बेटे व उनके मित्र चला करते थे:सूत्र

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,17 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

नाना नानी के घर रहकर पढ़ाई करती थी मृतक बालिका

घनी बस्ती में हो रही थी ड्राइविंग की ट्रेनिंग

तेज रफ्तार वाहनों पर नहीं लग रही लगाम

घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर,शनिवार 19 अप्रैल 2025 | 6

क्या सिटी कोतवाली बैकुंठपुर के प्रभारी एक मासूम बच्ची की मौत का सौदा कर रहे हैं...

जिस वजह से थाना घेराव की स्थिति बन गई?

स्थानीय पुलिस पर न्याय के लिए कितना भरोसा करें कितनी पुलिस से सही कार्यवाही की उम्मीद करें?

क्या पुलिस से सिर्फ अनैतिक कार्य व अनैतिक कार्यवाही की ही उम्मीद करें, निष्पक्ष कार्यवाही और समाज सुधारक कार्यवाही की उम्मीद उनसे ना करें?

क्या किस बड़े नेता का फोन आया कि बच्ची की मौत के मामले में धारा भी लगाने से डर गए प्रभारी?

क्या एसडीओपी साहब ने अपने थाना प्रभारी को फटकार लगाई...या प्रभारी की गलती की वजह से आज ऐसी स्थिति निर्मित हुई उसपर उन्होंने कोई कार्यवाही की?

प्रेमाबाग में हुआ दर्दनाक हादसा

मृतक बच्ची की बहन ने पुलिस के पड़े पांव कहा मेरे बहन कि हत्यारे को मिले सजा?

पुलिस अधिकारी ने मीडिया को दिया आश्वासन वाला सरकारी बयान तुरंत नहीं दिखी मांग पूरा करने की दिलचस्पी

एसडीओपी ने मौके पर पहुंचकर दिलाया भरोसा

परिजनों को एसडीओपी साहब अपने ही प्रभारी के दर्ज किए गए एफआईआर से संतुष्ट करने का प्रयास करते नज़र आए, आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने का प्रयास नहीं किया?

बच्ची के मौत मामले में पुलिस ने अपनी मानी गलती और आरोपियों को किया गिरफ्तार और बढ़ाई धाराएं

बच्ची के मौत मामले में आरोपियों पर बीएनएस 105 के साथ 151 धारा जुड़ा

यह है पूरा मामला

ज्ञात होगी कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के प्रेमाबाग कॉलोनी में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ वर्षीय मासूम बच्ची हिमांशी विश्वकर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। बच्ची अपने नाना नानी के आवास के अंदर की बाउंड्री में खेल रही थी, तभी एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 16 सी क्यू 2859 ने बाउंडरी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह क्वार्टर के गेट और दीवार के बीच दब गई। परिजनों ने तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के प्रत्यक्षदर्शी और मृतका के मामा ने बताया कि स्कॉर्पियो को आयुष पैकरा चला रहा था,और उसके साथ एक अन्य युवक भी सवार था। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है पर इसमें भी उनके नियत में खोट देखने को मिली ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि यह बात उस समय तक स्पष्ट हो चुकी थी कि उस वाहन के मालिक का ड्राइवर एक नौसीखिए को वाहन चलाना सिखा रहा था और जिसे वाहन चलाना सिखा रहा था वह उसका दोस्त बताया जा रहा है अब जिसे गाड़ी चलाने नहीं आता उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी कहां से होगा,अब ऐसे व्यक्ति को एक रहवासी क्षेत्र में गाड़ी सिखाना क्या कानूनी जुर्म नहीं है? क्या इसे हत्या की वजह नहीं मानना चाहिए? आखिर आज किसी नौसिखिए को वाहन सीखने की वजह से ही एक 8 साल की बच्ची की मौत हो गई उसके बाद भी सिर्फ गाड़ी चलाने वाले पर अपराध दर्ज कर पुलिस ने कार्यवाही में निष्पक्षता नहीं दिखाई जो गाड़ी सीख रहा था वह भी उतना ही गुनहगार था और जिसकी गाड़ी थी वह भी उतना ही गुनहगार था कि ऐसे व्यक्ति के हाथ में उसने अपनी गाड़ी चलाने की जिम्मेदारी सौंप रखी थी?

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,20 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

पुलिस की कार्यप्रणाली से इसलिए भरोसा उठता है क्योंकि पुलिस हमेशा ही अपराध के मामले में सौदा करती है सौदा इस कदर करती है की न्याय भी शर्मा जाए मौत के मामले में अवैध कारोबार के मामले में यही कारण है की पुलिस की निष्पक्षता हमेशा ही सवालों के घेरे में होती है, यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि एक 8 साल की बच्ची को नौसिखिए ड्राइवर ने गाड़ी सीखने के चक्कर में मौत के घाट उतार दिया, वह भी अपने ही घर की बाउंड्री में खड़ी बच्ची की मौत हो गई, नौसिखिए की ऐसी लापरवाही की वह रिहायशी एरिया में गाड़ी सीख रहा था और गाड़ी सीखने के दौरान 50 मीटर भी गाड़ी वह नहीं चला पाया और जहां पर एक मासूम बच्ची अपने बाउंड्री में खड़ी थी उसे जाकर वह गाड़ी से दबा दिया और उसकी मौत हो गई,उस मामले में पुलिस ने प्रथम दृष्टि में ही लीपापोती कर दी और जो धाराएं लग सकती थी वह नहीं लगाई और उन आरोपियों को छोड़ दिया गया,खबर प्रकाशन व मृतक के परिजनों के द्वारा धरना-प्रदर्शन व घेराव के बाद पुलिस ने आरोपी को फिर से पकड़ा दो धाराएं जोड़ी फिर उन्हें जेल भेजा इससे यह समझ में आता है कि पुलिस सही में सौदा ही करती है? पुलिस आखिर पहले ही यह काम कर सकती थी जो उसने आंदोलन के बाद व अपनी फजीहत कराने के बाद की ऐसे पुलिसकर्मियों पर तत्काल कार्यवाही क्यों नहीं हुई? पुलिस ने बाद में धाराएं तब जोड़ी और गिरफ्तारी तब की जब पुलिस थाने का घेराव हुआ और पुलिस को जब जमीन पर बैठकर पीड़ित परिवार को समझाना पड़ा और बाद में जाकर अपनी छवि बचाने के लिए पुलिस को धाराएं बढ़ानी पड़ी। वैसे पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है आरोपियों पर जैसा बताया जा रहा है। वैसे पूरे मामले में मामला और भी आरोपियों पर दर्ज करना बनता था क्योंकि लापरवाही से वाहन चलाने और ऐसे क्षेत्र में वाहन सीखने के कारण बच्ची की मौत हुई जहां या जो क्षेत्र रिहायशी क्षेत्र था और ऐसे में ऐसे क्षेत्र में वाहन दुर्घटना का शिकार होना बच्ची का वह भी घर के बाउंड्री के भीतर आरोपियों को काफी बड़ा आरोपी बनाती है।

क्या न्याय के लिए अभी भी लड़ाई लड़नी पड़ेगी?

पूरे मामले में यह सवाल उठता है जो पुलिस की बाद में आरोपियों पर कानूनी धाराएं जोड़ने के बाद उठता है कि क्या अभी भी न्याय के लिए खुद सामने आकर लड़ाई लड़ना पड़ेगा? बच्ची की मौत मामले में बाद में आरोपियों पर जोड़ी गई कानूनी धाराएं तो यही साबित करती हैं कि न्याय के लिए अभी भी खुद का प्रयास जरूरी है केवल कानून के रखवाले न्याय दिलाएंगे यह मानकर बैठे नहीं रहा जा सकता वरना बच्ची की मौत मामले में परिजनों को बच्ची के न्याय के लिए आंदोलन नहीं करना पड़ता।

क्या पुलिस अपना काम कभी भी बिना सौदे के कर पाएगी?

वैसे सवाल यह भी उठ रहा है क्या पुलिस कभी भी अपना काम बिना सौदे के कर पायेगी। बच्ची की मौत मामले मेंजी भी सौदे की बातें सामने आई थी और जब बच्ची के परिजनों ने बच्ची का शव पुलिस थाने के सामने रखकर प्रदर्शन किया तब जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके विरुद्ध कानूनी धाराएं जोड़ी गई।

समाज की सुरक्षा व शांति की जिम्मेदारी उठाने वाली पुलिस क्यों अशांति की स्थिति निर्मित करती है?

पुलिस को समाज में शांति स्थापित करने की जिम्मेदारी मिली हुई है,पुलिस इस काम की बखूबी क्यों नहीं कर पा रही है यह विचारणीय है,पुलिस की कार्यप्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है आम लोगों के बीच,बच्ची की मौत मामला उदाहरण है जहां पुलिस न कानूनी धाराएं बढ़ाकर आरोपियों पर यह साबित किया कि वह पहले न्याय के लिए खुद से सामने नहीं आई और आंदोलन की स्थिति बनी अशांति की स्थिति उसने बनने दी और जब ऐसा हुआ उसने फिर कार्यवाही की तत्परता दिखाई।

मामले में बैंक मैनेजर की संलिप्तता की पुलिस कर रही थी जांच,पुष्टि होने पर औरंगाबाद (महाराष्ट्र) से आरोपी को लिया हिरासत में...

आठ से धोखाधड़ी के आरोप में फरार आरोपी पकड़ाया

मामले के अन्य आरोपियों को पुलिस पूर्व में कर चुकी है गिरफ्तार

-संवाददाता-
जशपुर,20 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

प्रार्थी गांझू राम नागवंशी व दिल साय नाग, दोनों निवासी ग्राम कुकरीचोली,थाना बागबहार के द्वारा पुलिस को शिकायत मिली थी,जनक यादव,निवासी माटी पहाड़,गंगा यादव निवासी कुकरी चोली,पीताम्बर यादव निवासी छाता सराई,दनार्दन यादव निवासी छाता सराई, मुरली धर यादव निवासी छाता सराई के द्वारा प्रार्थी गांझू राम नागवंशी से वर्ष 2013- 14 में राशन कार्ड में बीस हजार रु सरकारी पैसा मिल रहा है,बोलकर उसके राशन कार्ड व वोटर आईडी कार्ड को मांग कर ले लिया गया था व तात्कालीन बैंक मैनेजर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा बागबहार, अनुराग दास के साथ मिलकर, फर्जी दस्तावेज तैयार कर,केसीसी ऋण 3 लाख 10 हजार रुपए को स्वीकृत कराकर, प्रार्थी गांझू राम नागवंशी को सरकारी पैसा बीस हजार रुपए मिल रहा कहकर फर्जी दस्तावेजों में अंगूठा लगवा लिया गया व केसीसी की स्वीकृति राशि को ब्रांच मैनेजर सहित उक्त सभी आरोपियों के द्वारा निकाल कर गबन कर लिया गया।

इसी प्रकार प्रार्थी दिल साय नाग निवासी कुकरी चोली थाना बागबहार के मामले में भी उक्त आरोपियों के द्वारा प्रार्थी दिल साय नाग के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार कर,दिल साय नाग की जगह अन्य व्यक्ति ननकी राम राउत की फोटो चस्पा कर, व प्रार्थी दिल साय नाग का फर्जी हस्ताक्षर कर,तात्कालीन बैंक मैनेजर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा बागबहार, अनुराग दास के साथ मिलकर 2 लाख पचास हजार रुपए, केसीसी ऋण निकाल लिए थे। इस मामले में तात्कालीन सरपंच कुकरी चोली, श्रीमती रूखमणि नाग के द्वारा फर्जी ननकी राम राउत की फोटो को दिल साय नाग के नाम से सत्यापित किया गया था। दोनो प्रार्थियों को मामले की जानकारी तब हुई, जब सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा बागबहार से केसीसी ऋण वापसी हेतु उनको नोटिस प्राप्त हुआ।

जालसाजी, धोखाधड़ी व ठगी के लिए भा.द.वि की धारा 420,467,468 व 120बी के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया था। विवेचना दौरान पुलिस के द्वारा प्रार्थियों के केसीसी ऋण से संबंधित दस्तावेजों को जप्त कर, आरोपियों के लिपि व हस्ताक्षर नमूनों को हस्तलिपि विशेषज्ञ रायपुर परीक्षण हेतु भेजा गया है। उक्त मामले में अपराध सबूत पाए जाने पर मामले के आरोपी जनक यादव, गंगा यादव, पीताम्बर यादव, दनार्धन यादव, मोहर साय, ननकी राम राउत को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, एक आरोपी लोदो राम की मृत्यु हो चुकी है, व तात्कालीन सरपंच श्रीमती रूखमणि नाग, माननीय उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत पर है।

पूरे प्रकरण में जशपुर पुलिस के द्वारा तात्कालीन बैंक मैनेजर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा बागबहार अनुराग दास की संलिप्तता की जांच की जा रही थी, जांच दौरान बैंक मैनेजर अनुराग दास के द्वारा दस्तावेजों की सही से जांच न कर,आरोपियों के साथ मिलकर फर्जी तरीके से केसीसी ऋण की रकम निकालने की पुष्टि होनेपर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के नेतृत्व में थाना बागबहार की पुलिस टीम के द्वारा आरोपी तात्कालीन बैंक मैनेजर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा बागबहार बागबहार को औरंगाबाद (महाराष्ट्र) से हिरासत में लेकर वापस लाई है।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी बैंक मैनेजर के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। प्रकरण की विवेचना कार्यवाही एवं आरोपी की गिरफ्तारी में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पत्थलगांव धुर्वेश जायसवाल,थाना प्रभारी बागबहार निरीक्षक अशोक शर्मा,आरक्षक राजेंद्र रात्रे, योगेन्द्र पटेल की सराहनीय भूमिका रही है।मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि अनुराग दास को औरंगाबाद से ढूंढने में पुलिस को सफलता मिली है, अग्रिम कानूनी कार्यवाही की जा रही है

पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही

-संवाददाता-
खड़गवां,20 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक एमसीबी चंद्रमोहन सिंह द्वारा लगातार चलाये जा रहे नशा विरोधी अभियान के तहत थाना खडगवां पुलिस को अवैध महुआ शराब एवं अंग्रेजी शराब को पकडने में सफलता प्राप्त हुई है।

दिनांक 19.04.2025 को मुखबीर सूचना मिला कि एक सफेद रंग के स्कूटी में अवैध तरीके से महुआ शराब रखकर बिकी करने हेतु बंजारीडाड़ की ओर से परिवहन करते दुबछोला चिरमिरी की ओर आ रहा है । सूचना पर पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिह व अति0 पुलिस अधीक्षक अशोक वांडेगावकर के निर्देशानुसार, एवं नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी श्रीमती दीपिका मिंज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खड़गवां विजय सिंह के नेतृत्व में टीम बनाकर हमराह स्टाफ गवाहों को साथ लेकर शराब रेड कार्यवाही पर रवाना होकर ग्राम ठग्गांव सिटीपाथर घुरघेला नाला के पास घेराबंदी कर एक स्कूटी चालक को रोका गया पूछताछ करने पर अपना नाम दिलीप गुप्ता पिता प्रेम लाल गुप्ता निवासी टिकरापारा बडी बाजार चिरमिरी का होना बताया जिसके कब्जे से एक सफेद रंग के

बोरी, एवं एक सफेद रंग के झोला में हाथ भठठी का बना महुआ शराब सफेद रंग के प्लास्टिक पन्नी मे 30 पैकेट कुल मात्रा- 22.500 लीटर कीमती 3375 रूपये एवं एक पुरानी सफेद रंग का जुपीटर स्कूटी क. सीजी 16 सीक्यू 5990 कीमती करीब 50000 रूपये कुल जुमला 53375 रूपये का जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया है। आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र. 85/25 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर आज दिनांक 20.04.2025 को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया एवं एक अन्य मुखबीर सूचना पर ग्राम पैनारी जडहरियापारा का उमेश यादव पिता जमुना प्रसाद यादव द्वारा अपने घर के परछी मे गोवा अंग्रेजी शराब को मिटटी में दबाकर रखकर बिकी करता है कि सूचना प्राप्त कर स्टाफ एवं गवाहो को साथ मे लेकर मुखबीर के बताये स्थान पर जाकर रेड कार्यवाही किया जो उमेश यादव के घर के पास से म0 प्र0 निर्मित गोवा अंग्रेजी शराब कुल 26 पाव कुल शराब 4.680 लीटर कीमती 3900 रूपये का जप्त कर कब्जे पुलिस लिया जाकर आरोपी के विरूद्ध अप. क. 84/25 धारा 34(1) (क) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया प्रकरण जमानतीय धारा का होने से आरोपी को जमानत मुचलका पर रिहा किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी खडगवां उप निरीक्षक विजय सिह, सउनि नईम खान, प्र. आर. 91 हरिश शर्मा, आर. 104 अखिलेश जायसवाल, म. आर. 247 चन्द्रलेखा सिंह, सैनिक 36 प्रमोद साहू का सराहनीय योगदान रहा।

संक्षिप्त खेल खबर

अब दोहा डायमंड लीग टूर्नामेंट में खेलेंगे नीरज चोपड़ा

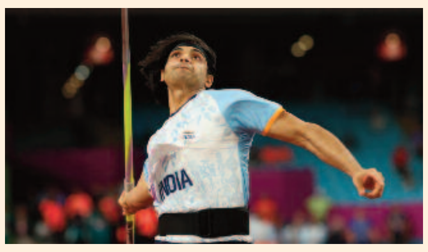

90 मीटर के पार थ्रो फेंकने का होगा टारगेट

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2025। प्रदर्शन के बाद नीरज चोपड़ा का डायमंड लीग के लिए आत्मविश्वास बढ़ा होगा। अब नीरज 16 मई से दोहा डायमंड लीग में खेलेंगे। यहां पर वह अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। इससे पहले उन्होंने दोहा डायमंड लीग में साल 2023 में खिताब जीता था, तब उन्होंने 88.67 मीटर का थ्रो किया था। वहीं पिछले साल उन्होंने 88.36 मीटर का थ्रो किया था और दूसरे स्थान पर रहे थे।

नीरज चोपड़ा ने साल 2025 में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर टूर्नामेंट में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर छह खिलाड़ियों के बीच चले मुकाबले में टॉप पोजीशन हासिल की। भारतीय स्टार चोपड़ा दक्षिण अफ्रीका के 25 साल के डौव स्मिट से आगे रहे, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर था।

आईपीएल और पीएसएल दोनों जगह मौजूद अब्दुल समद

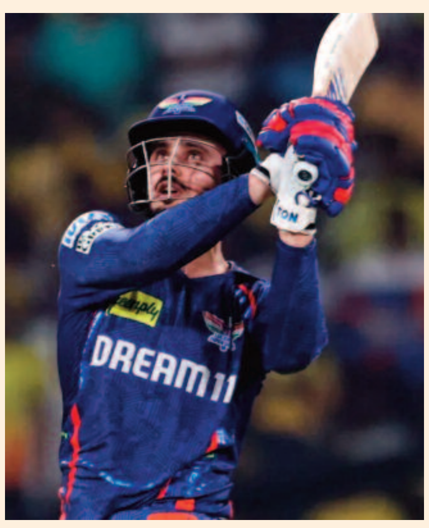

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2025। भारत में इस समय आईपीएल का 18वां सीजन बहुत ही शानदार अंदाज में खेला जा रहा है। फैंस को रोमांचक मुकाबले देखने को भी मिल रहे हैं। दूसरी तरफ भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में पाकिस्तान सुपर लीग का आयोजन हो रहा है। अब अब्दुल समद नाम के दो खिलाड़ी आईपीएल और पीएसएल दोनों लीग में खेल रहे हैं और अपनी-अपनी टीमों को जीत भी दिला रहे हैं।

कनाडा सुपर 60 के लिए 34 देशों के 1300 से ज्यादा खिलाड़ियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

कनाडा,20 अप्रैल 2025। दुनियाभर में क्रिकेट लीग की धूम मची हुई है। भारत में इस समय इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल का आयोजन हो रहा है जबकि पाकिस्तान में पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल खेला जा रहा है। इस सबके बीच एक और लीग से जुड़ी बड़ी खबर आ रही है। दरअसल, कनाडा सुपर 60 के लिए 1300 से ज्यादा खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें मेन्स और वूमेन्स दोनों खिलाड़ी शामिल हैं। कनाडा सुपर 60 एक टी10 लीग है, जिसके लिए 34 देशों के खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इस लीग को युवराज सिंह सपोर्ट कर रहे हैं।

लीग से जुड़े कई बड़े नाम

फिन एलन, सिकंदर रजा, नसीम शाह, एलेक्स हेल्स,शमरजोसेफ,जेसन रॉय, केशव महाराज, टिम सेफर्ट, टिम साउथी, जिमी नीशम, आजम खान, लुंगी एनगिडी, रिली रोसो, क्रिस लिन, जेसन होल्डर, आंद्रे फ्लेचर, काइल मेयर्स, तबरेज शम्सी, भानुका राजपक्षे, मार्टिन गुप्टिल, डेविड मालन, मेहदी हसन मिराज, तंजीद हसन तमीम, चाड बोवेस और गुडाकेश मोटी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने आठ टीमों की इस लीग का हिस्सा बनने के लिए अपनी सहमति दी है। महिला खिलाड़ियों में मैडी ग्रीन, फ्रैन जोनास,रोजमेरी मायर, इडन कार्सन, तजमिन ब्रिट्स, एमी स्मिथ, लॉरिन विनफील्ड-हिल, जेस जोनासेन, शबनम इस्माइल,लॉरा हैरिस, डिएंड्रा डॉटिन, चिनेले हेनरी, सिनालो जाफ्ता,नॉनकुलुलेको म्लाबा, फातिमा सना और ली ताहुहु जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

जुलाई में होगा आगाज

टूर्नामेंट निदेशक काइल कोएट्जर ने कहा कि वर्ल्ड क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को कनाडा सुपर 60 के लिए साइन अप करते हुए देखकर बहुत रोमांचित हैं! उनकी भागीदारी इस लीग को आगे बढ़ाएगी और कनाडाई खिलाड़ियों को एक बेहतरीन अनुभव देगी। लीग के आयोजकों ने जानकारी दी कि ड्राफ्ट की तारीखें जल्द ही घोषित की जाएंगी। पहले सीजन में पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताएं शामिल होंगी, जिसका जुलाई में आगाज होगा।

कनाडा में बढ़ रहा लीग क्रिकेट

कनाडा में पिछले कुछ सालों में टी 20 क्रिकेट काफी डेवलेप हुआ है। कनाडा में साल 2018 से ग्लोबल टी 20 कनाडा लीग खेली जा रही है। नॉर्थ अमेरिका में शुरू होने वाली यह पहली फ्रैंचाइजी क्रिकेट लीग थी। इस लीग के अब तक 4 सीजन खेले जा चुके हैं, जिसमें दुनियाभर के क्रिकेटरों ने शिरकत की।

फातिमा सना महिला वनडे विश्व कप क्वॉलीफायर टीम की कप्तान

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2025। तेज गेंदबाज ऑलराउंडर पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना को 2025 महिला वनडे विश्व कप क्वालीफायर की टीम की कप्तान चुना गया है, यह जानकारी रविवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने दी। मुनीबा अली, नशरा संधू और सादिया इकबाल पाकिस्तान की टीम की अन्य खिलाड़ी हैं जिन्हें टूर्नामेंट की क्वालीफायर टीम में शामिल किया गया है, जहां मेजबान और बांग्लादेश ने इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की की है। उनके साथ वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज, ऑलराउंडर चिनेल हेनरी और आलियाह एलीने,साथ ही बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना और शर्मिन अख्तर भी शामिल हैं। स्कॉटलैंड की कैथरीन फ्रेजर और कैथरीन ब्राइस की जोड़ी ने बाकी लाइन-अप को पूरा किया,जबकि बांग्लादेश की राबेया खान को 12 वीं खिलाड़ी बनाया गया। मुनीबा ने स्कॉटलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक सहित 223 रन बनाए और उन्हें हेले के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में चुना गया,जिन्होंने स्कॉटलैंड के

खिलाफ वेस्टइंडीज के शुरुआती मैच में हार के बावजूद नाबाद शतक बनाया था। इसके बाद उन्होंने थाईलैंड के खिलाफ महिला वनडे इतिहास का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाकर प्रतियोगिता का समापन किया, उन्होंने 29 गेंदों में 70 रन बनाने के साथ 21 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की। 27 वर्षीय हेले ने स्कॉटलैंड और आयरलैंड के खिलाफ चार विकेट सहित 13 विकेट लेकर विकेट लेने की सूची में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। शरमिन को लगातार टूर्नामेंट में थाईलैंड (नाबाद 94),स्कॉटलैंड (57) और वेस्टइंडीज (67) के खिलाफ अर्धशतक बनाने के बाद तीसरे स्थान पर चुना गया,जिसमें उन्होंने 66.5 की औसत से 266 रन बनाए। उनके बाद प्रतियोगिता की सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली और प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट कैथरीन हैं,जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ़ 91 और थाईलैंड के खिलाफ़ 60 रन बनाए और आयरलैंड के खिलाफ़ नाबाद 131 रन बनाए,जो उनका पहला वनडे शतक था। कैथरीन ने टूर्नामेंट में छह विकेट भी लिए, जबकि निगार ने तीन जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली,जिसने बांग्लादेश को लगातार 101, 51 और नाबाद 83 रन बनाकर मुख्य इवेंट में जगह दिलाई। इस बीच, चिनेल ने आयरलैंड के खिलाफ़ नाबाद 46 और बांग्लादेश के खिलाफ़ नाबाद 51 रन बनाए और थाईलैंड पर जीत के दौरान 17 गेंदों में 48 रन की शानदार पारी में पांच छक्के उड़ाए। दूसरी ओर, आलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ़ 39 रन देकर चार विकेट सहित 12 विकेट लिए, जो कैथरीन और नशरा से दो ज़्यादा हैं। कैथरीन ने वेस्टइंडीज और थाईलैंड दोनों के खिलाफ तीन-तीन विकेट लिए और बहुमूल्य रन भी बनाए, जबकि नशरा ने हर मैच में विकेट लिए, जिसमें आयरलैंड और थाईलैंड के खिलाफ तीन-तीन विकेट शामिल हैं।

सादिया को 16.22 की औसत से नौ विकेट लेने और सिर्फ 3.84 रन प्रति ओवर की दर से खेलने के बाद शामिल किया गया है, जबकि राबेया, जिन्होंने आयरलैंड पर बांग्लादेश की निर्णायक जीत में तीन विकेट और कुल छह विकेट लिए थे, को 12वें खिलाड़ी के रूप में जगह मिली है। 2025 महिला वनडे विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट की टीमः

हेले मैथ्यूज (वेस्टइंडीज),मुनीबा अली (पाकिस्तान), शर्मिन अख्तर (बांग्लादेश), कैथरीन ब्राइस (स्कॉटलैंड), निगार सुल्ताना (बांग्लादेश, विकेटकीपर), फातिमा सना (पाकिस्तान, कप्तान), चिनेल हेनरी (वेस्टइंडीज), आलियाह एलीने (वेस्टइंडीज), कैथरीन फ्रेजर (स्कॉटलैंड), नशरा संधू (पाकिस्तान), सादिया इकबाल (पाकिस्तान) और राबेया खान (बांग्लादेश, 12वीं खिलाड़ी)।

महिलाओं की एयर राइफल में आर्या पांचवें स्थान पर

लीमा,20 अप्रैल 2025। आर्या बोरसे ने 10 मीटर एयर राइफल महिला स्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन करते हुए पांचवां स्थान हासिल किया, उन्होंने अपने रूकी इंटरनेशनल सीजन में इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप स्टेज का पहला फाइनल शूट किया। पेरू के लीमा में लास पालमास रेंज में, जहां आईएसएसएफ वर्ल्ड कप सर्किट का दूसरा चरण आयोजित किया जा रहा है, आर्या ने शनिवार को शानदार 633.9 का स्कोर बनाया, जिससे वे फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गईं, वे मौजूदा जूनियर वर्ल्ड चैंपियन और अंतिम स्वर्ण पदक विजेता चीन की वांग जिफेई से पीछे रहीं, जिन्होंने उस दिन तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए थे। आर्या 24 शॉट के फाइनल के 18वें शॉट के बाद बाहर हो गईं, उनका स्कोर 188.1 था, जो रजत जीतने वाली मौजूदा विश्व चैंपियन चीन की हान जियायू से सिर्फ 0.1 पीछे थीं, जो उस चरण में चौथे स्थान पर थीं। वांग ने इस स्पर्धा में पदकों की दौड़ में चीन का नेतृत्व किया, जबकि एक अन्य उभरती हुई युवा प्रतिभा फैन झिन्यी ने कांस्य पदक जीता। उन्होंने पूरे दिन एयर राइफल शूटिंग के शानदार प्रदर्शन में एक नया जूनियर क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड (635.9) और साथ ही नया जूनियर और सीनियर फाइनल विश्व रिकॉर्ड (254.8) बनाया।

शुभमन गिल पर स्लो ओवर रेट के लिए लगा 12 लाख का जुर्माना

अहमदाबाद,20 अप्रैल 2025। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम को आईपीएल 2025 के मैच नंबर 35 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अहमदाबाद में शनिवार को धीमी ओवर गति बनाए रखने का दोषी पाया गया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, ÷चूंकि यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था, इसलिए आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर रेट अपराधों से संबंधित है, गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

गिल अब उन कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन पर इस सीजन में धीमी ओवर गति के लिए दंड लगाया गया है, जिनमें अक्षर पटेल (दिल्ली कैपिटल्स), संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल्स), रजत पाटीदार (रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलुरू), ऋषभ पंत (लखनऊ सुपर जायंट्स), रियान पराग (आरआर) और हार्दिक पांड्या (मुंबई इंडियंस) शामिल हैं। हालांकि पिछले साल के विपरीत, इस बार आईपीएल ने दोहराए गए अपराधों के लिए खिलाड़ियों के बैन को हटा दिया है और इसके स्थान पर जुर्माने, डिमेरिट पॉइंट्स और इन-गेम पेनल्टी को लागू किया है।

गिल ने अहमदाबाद की गर्म परिस्थितियों में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। गर्म मौसम के कारण खिलाड़ियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा और खेल में कई बार रुकावटें आईं। दिल्ली ने 8 विकेट पर 203 रन बनाए, जिसका पीछा करते हुए गुजरात ने सात विकेट और चार गेंद शेष रहते करते हुए मैच जीत लिया। जॉस बटलर को 54 गेंदों में नाबाद 97 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ गुजरात पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गई है। सात में से पांच मैच जीतकर उसके दिल्ली के बराबर 10 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट के आधार पर गुजरात आगे है। यह मैच लीग चरण के आधे रास्ते को चिह्नित करता है, जहां सभी 10 टीमों ने सात-सात मैच खेल लिए हैं।

पहली ही गेंद पर छक्का मारकर 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने खास बनाया अपना डेब्यू

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2025। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार डेब्यू करते हुए सभी को प्रभावित किया है। उन्हें सिर्फ 13 साल की उम्र में जब आईपीएल अनुबंध मिला तो सभी का ध्यान उनकी ओर गया। हालांकि प्लेइंग 11 में जगह मिलना अभी भी दूर की कौड़ी थी, लेकिन राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन की चोट के चलते मिले मौके का इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बखूबी फायदा उठाया।

केरल ब्लास्टर्स आईएसएल के निराशाजनक सीजन के बाद वापसी की कोशिश में

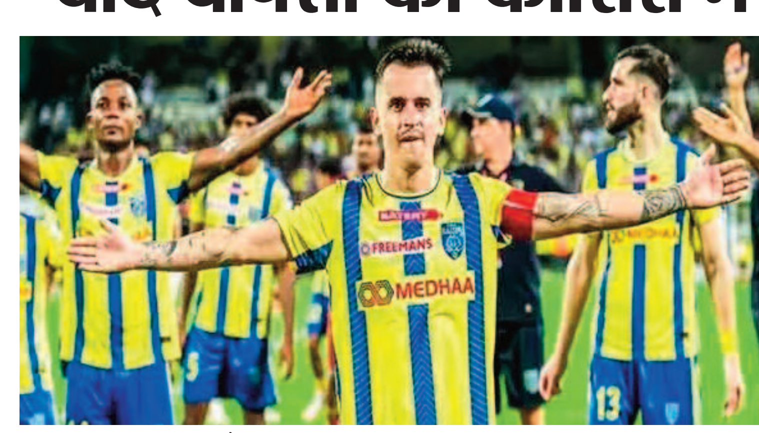

तिरुवनंतपुरम,20 अप्रैल 2025। केरल ब्लास्टर्स एफसी (केबीएफसी) ने इस सीजन में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में मुश्किल अभियान का सामना किया, चार साल में पहली बार प्लेऑफ स्पॉट से बाहर रही। नए हेड कोच मिकेल स्टाहरे के नेतृत्व में शुरुआत में उम्मीदें बहुत थीं, खासकर नोआ सदाउई और जीसस जिमेनेज के हाई-प्रोफाइल साइनिंग के बाद। हालांकि, शुरुआती दिन की हार ने सीजन के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल बना दिया। हालांकि टीम ने अपने अगले चार मैचों में दो जीत और दो ड्रॉ के साथ कुछ समय के लिए लय हासिल की, लेकिन आईएसएल की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, वे अंततः निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष करते रहे।

इसके बाद असली गिरावट आई। ब्लास्टर्स को अपने अगले सात मैचों में छह हार का सामना करना पड़ा - एक निराशाजनक प्रदर्शन जिसके कारण स्टाहरे को हटना पड़ा, और सहायक कोच टीजी पुरुषोत्तमन को अंतरिम मुख्य कोच के रूप में पदभार संभालना पड़ा। उनके मार्गदर्शन में, कोच्चि स्थित टीम ने पुनरुद्धार के संकेत दिखाए, संभावित 15 में से 10 अंक एकत्र किए। लेकिन एक बार फिर, वे निरंतरता से दूर रहे। अपने अंतिम सात मैचों में, वे केवल दो जीत और दो ड्रॉ ही हासिल कर पाए, अंततः छठे स्थान पर रहने वाली मुंबई सिटी एफसी से सात अंक पीछे रहे और प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गए। केरला ब्लास्टर्स ने इस सीजन में 24 मैच खेले, जिसमें 8 जीते, 5 ड्रॉ रहे और 11 हारे, कुल 29 अंकों के साथ अभियान का समापन किया। सीजन के संघर्षों के बावजूद, केरला ब्लास्टर्स एफसी के लिए उम्मीद की झलकियां दिख रही हैं नई विदेशी जोड़ी के साथ, युवा प्रतिभा कोरो सिंह ने भी अपना नाम बनाया है, महत्वपूर्ण क्षणों में आगे बढ़कर दिखाया है कि हाल की असफलताओं के बावजूद भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। उनकी ऊर्जा और रचनात्मकता ने अक्सर टीम के आक्रमण को बढ़ावा दिया है, यह दर्शाता है कि ब्लास्टर्स के पास आगे बढ़ने के लिए आशाजनक संपत्ति है।

दुर्भाग्य से, सकारात्मकता बहुत कम और दूर-दूर तक नहीं रही है, लगातार कई मुद्दों की वजह से यह दब गई है। इस सीज़न में कई हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें मोहन बागान सुपर जायंट और एफसी गोवा जैसी शीर्ष टीमों से निराशाजनक हार शामिल है। ड्रॉ को जीत में बदलने में असमर्थता-जैसे कि जमशेदपुर एफसी और हैदराबाद एफसी के खिलाफ उनके मैचों में-उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की उनकी संभावनाओं को और नुकसान पहुंचा,जिससे वे अंततः तालिका के निचले आधे हिस्से में आ गए। उनके अभियान में निरंतरता की कमी रही, जबकि टीम के सामंजस्य और रक्षात्मक संरचना की समस्याओं ने चीजों को और खराब कर दिया। लगातार रक्षात्मक चूक के कारण महत्वपूर्ण क्षणों में आसान गोल हुए, और मिडफील्ड अक्सर अलग-थलग दिखी, जो रक्षा और हमले के बीच आवश्यक लिंक प्रदान करने के लिए संघर्ष कर रही थी।

सूर्या की रेट्रो को यू/ए सर्टिफिकेट मिला

सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म रेट्रो को यू/ए सर्टिफिकेट के साथ रिलीज करने की मंजूरी दे दी है। इस फिल्म में सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म इस साल 1 मई को रिलीज होने वाली है। इसकी अवधि दो घंटे 48 मिनट और 30 सेकंड है। रेट्रो इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक रही है और कुछ दिनों पहले फिल्म यूनिट द्वारा जारी किए गए टीजर ने फिल्म के रोमांच को और बढ़ा दिया है। टीजर की शुरुआत पूजा हेगड़े और सूर्या से होती है, जो नदी के किनारे मंदिर जैसी दिखने वाली जगह पर बैठे हैं। सूर्या उससे वादा करता है कि वह हिंसा और उपद्रव से भरी जिंदगी को अलविदा कह देगा।

वह कहता है कि वह अपने पिता के साथ काम करना बंद कर देगा और हमेशा खुश और मुस्कुराते रहने की कोशिश करेगा। वह कहता है कि उसके जीवन का उद्देश्य उसका प्यार होगा। यह सब कहने के बाद, वह उससे पूछता है कि क्या वह उससे शादी करेगी। वह उसके माथे पर एक चुंबन देकर अपनी सहमति व्यक्त करती है। टीजर को कुछ ही घंटों में दो करोड़ से ज़्यादा बार देखा गया, जिससे फ्ल्मि से लोगों की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं और कई लोग फ्ल्मि की रिलीज़ का इंतज़ार कर रहे हैं। सूर्या और पूजा हेगड़े के अलावा, फ्ल्मि में मलयालम अभिनेता जोजू जॉर्ज और जयराम और तमिल अभिनेता करुणाकरण सहित कई सितारे नज़र आएंगे। फ्ल्मि का संगीत संतोष नारायणन ने दिया है और छायांकन श्रेयस कृष्णा ने किया है। संपादन का काम शफ़ीक़ मोहम्मद अली ने संभाला है और कला निर्देशन जैकी और मायापंडी ने किया है। फ्ल्मि में एक्शन की भरमार होगी और इसमें केचा खम्फाकडी स्टंट करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि इस फ्ल्मि के लिए सूर्या ने थाईलैंड में मार्शल आर्ट की ख़ास ट्रेनिंग ली है।

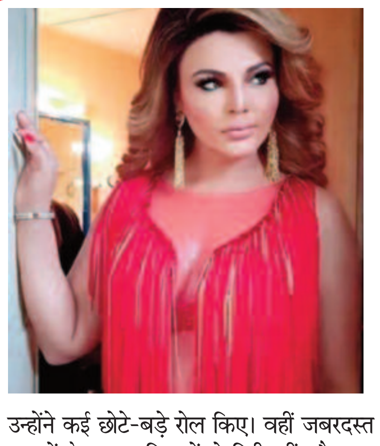

सिर से उठा माता-पिता का साया,टूटी 2 शादियां,प्यार की तलाश में पहुंचीं पाकिस्तान, कहलाती है ड्रामा क्वीन

मनोरंजन जगत की ड्रामा क्वीन के नाम से पॉपुलर ये एक्ट्रेस किसी पहचान की मोहताज नहीं है, लेकिन एक वक्त ऐसा था जब इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए उन्होंने कई छोटे-बड़े रोल किए। वहीं जबरदस्त नेम-फेम कमाने के बाद यह बॉलीवुड एक्ट्रेस भी अपने बयानों के कारण विवादों से घिरी रहीं और आज भी अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में रहती है।हम बात कर रहे हैं राखी सावंत की, जिन्होंने 2012 में अपने पिता आनंद सावंत और ब्रेन ट्यूमर-कैंसर के इलाज के दौरान अपनी मां जया सावंत को 2023 में खो दिया। माता-पिता की मौत के बाद आज एक्ट्रेस अकेले अपना जीवन जी रही है। नीरू भेड़ा से राखी सावंत बनीं बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन हमेशा अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती है। कई टीवी शोज और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा राखी सावंत भोजपुरी इंडस्ट्री में भी धूम मचा चुकी हैं। हमेशा अपने चेहरे पर मुस्कान लिए घूमने वाली राखी की असल जिंदगी काफी दर्द भरी रही है। दो शादी टूटने के बाद एक्ट्रेस सच्चे प्यार की तलाश में पाकिस्तान तक पहुंच गई थीं। राखी वो बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने अपने प्यार के लिए इस्लाम धर्म कबूल किया है। राखी सावंत और डोडी खान अपनी शादी को लेकर सोशल मीडिया पर कई महीनों से चर्चा में है। वहीं हाल ही में, पाकिस्तानी एक्टर ने एक वीडियो पोस्ट कर खुलासा किया था कि वह राखी से शादी नहीं कर सकते क्योंकि वह उन्हें अपनी अच्छी दोस्त मानते हैं। इस पर रिएक्ट करते हुए राखी ने अपना दुख बयान किया था, लेकिन फिर भी हार नहीं मानी और अब भी पाकिस्तान की बहू बनाने का सपना संजोए हुए हैं। राखी सावंत उन एक्ट्रेस में से एक है, जिन्होंने अपने दम पर इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई। हालांकि, उनका ये सफर संघर्ष से भरा रहा है। वह टीवी के पॉपुलर शो बिग बॉस, राखी का स्वयंवर से लेकर इंडियाज़ गट टैलेंट तक में नजर आ चुकी है। इस शोज के अलावा वह अपनी शादी को लेकर भी काफी चर्चा में रही हैं। वहीं राखी सावंत की दो शादी टूट चुकी है।

महत्वपूर्ण खबर

आदिवासी हैं सबसे बड़े हिंदू,मुख्यमंत्री ने ऐसा क्यों कहा

रायपुर,20 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज दोबारा स्पष्ट किया है कि आदिवासी ही सबसे बड़ा हिंदू है। दरअसल मुख्यमंत्री साय आज धर्मरक्षा महायज्ञ एवं सनातन संस्कृति सम्मेलन में शामिल हुए। यह कार्यक्रम महर्षि दयानंद सरस्वती की 200 वीं जयंती और आर्य समाज के 150 वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस दौरान सीएम साय ने आदिवासीयों को लेकर बड़ा बयान दिया।

लचर कानून व्यवस्था का आरोप लगाकर कांग्रेस आज घेरेगी सीएम हाउस

रायपुर,20 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में लचर कानून व्यवस्था को लेकर 21 अप्रैल को कांग्रेस मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेगी।

पीएसओ ने किया सुसाइड

बलौदाबाजार,20 अप्रैल 2025(ए)। भाटापारा कांग्रेस विधायक इंद्र साव की सुरक्षा में तैनात पीएसओ ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली. इस बात की जानकारी होते ही हड़कंप मच गया. घटना की सूचना मिलते ही भाटापारा शहर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है.

एक आईएएस अफसर के एक सचिव

एक मंत्री,प्रशासनिक कसावट और सुधार का बड़ा सन्देश...

रायपुर,20 अप्रैल 2025(ए)। बड़े प्रशासनिक फेरबदल से विष्णुदेव साय सरकार ने एक वृहद संदेश देने की कोशिश की है। इस संदेश में प्रशासनिक कसावट, परिणाम देने वाले अधिकारियों को तवज्जों, राजस्व प्रकरणों के निराकरण की छिन्न-भिन्न और लंबे समय से उपेक्षित व्यवस्था को सुधारने के लिए दो अतिरिक्त कमिश्नरों की नियुक्ति, राजस्व मंडल पर ध्यान और सुशासन पर फोकस किया गया है।

केंद्र की तरह एक मंत्री,एक सचिव एक अफसर होंगे। अभी तक पोस्टिंग ऐसी होती थी कि एक अफसर को दो- दो, तीन-तीन मंत्रियों और सचिवों को रिपोर्टिंग करनी पडती थी। इसमें सुधार किया गया है।

प्रियंका शुक्ला को कमिश्नर हेल्थ के साथ एमडी एनआरएचएम का चार्ज दिया गया है। किरण कौशल को फूड मिनिस्ट्री में एमडी मार्कफ़ेड,एमडी नॉन, अवनीश शरण को डायरेक्टर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के साथ कमिश्नर हाउसिंग बोर्ड, कार्तिकेय गोयल को डायरेक्टर फूड के साथ एमडी वेयर हाउसिंग दिया गया है।

अच्छे काम करने वाले कलेक्टरों को बड़ा जिला प्रदान किया है, योग्य प्रमोटी आई ए एस अधिकारियों को भी पिछले प्रदर्शन के आधार पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है।

युक्तियुक्तकरण करके यह भी कोशिश की गई है कि एक विभागाध्यक्ष को एक सचिव को ही रिपोर्ट करना पड़े ताकि कार्य निष्पादन सुविधाजनक हो । कुछ अधिकारियों की शिकायतों पर उन्हें जिम्मेदारियों से मुक्त करके कम महत्वपूर्ण पदस्थापना पर भेज कर यह संदेश भी देने की कोशिश की गई है कि साय सरकार में कार्यकुशलता, जनता के कार्यो को तवज्जों , ईमानदारी और समर्पण से कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाता रहेगा और लापरवाह और जनकल्याणकारी कार्यों में हीलाहवाली और विपरीत काम करने वालों को इसका नुकसान उठाना पड़ेगा..

इसी तरह आज आईपीएस ट्रांसफर में भी सरकार ने बड़ा सन्देश दिया. सरकार ने नॉन पॉरफॉर्मेंस वाले आईपीएस अफसरों की छुट्टी की। वहीं विजय अग्रवाल जैसे टॉप पोलिसिंग वाले अधिकारी को दुर्ग जैसे जिले की कमान सौंपी गई है। सिर्फ ये नहीं समझ आया कि छह साल से पुलिस हाउसिंग में एमडी का दायित्व संभाल रहे पवनदेव को वहीं पर चेयरमैन क्यों बनाया गया। ये तो इधर से कान पकड़ो या उधर से... जैसा मामला रहा।

छत्तीसगढ़ में आईपीएस अधिकारियों का तबादला

कई जिलों के बदले गए एसपी और आईजी

रायपुर,20 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने शनिवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करने के बाद आज रविवार को आईपीएस अधिकारियों के ट्रांफफर किए हैं। बीस सीनियर अधिकारियों के ट्रांसफर किए गए हैं। आईएएस और आईपीएस के तबादलों से यह एक बड़ी प्रशासनिक सर्जरी बताई जा रही है। आईपीएस अधिकारियों की नई पदस्थापना पवन देव अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक, पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन रायपुर अंकित कुमार गर्ग पुलिस महानिरीक्षक,एसआईबी,पुलिस मुख्यालय,रायपुर ध्रुव गुप्ता पुलिस महानिरीक्षक,सीआईडी,पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर दीपक कुमार झा पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज अभिषेक शांडिल्य पुलिस महानिरीक्षक,राजनांदगांव रेंज बालाजी राव सोमावार पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था, विशेष शाखा, नवा रायपुर अजातशत्रु बहादुर सिंह पुलिस महानिरीक्षक, गुप्तवार्ता, विशेष शाखा,नवा रायपुर

विवेक शुक्ला एआईजी,सीआईडी, नवा रायपुर

राजेश कुमार अग्रवाल पुलिस अधीक्षक सरगुजा

विजय अग्रवाल पुलिस अधीक्षक,दुर्ग जितेंद्र शुक्ला सेनानी,5वीं वाहिनी, छसबल जगदलपुर भावना गुप्ता-पुलिस अधीक्षक,बलौदाबाजार-भाटापारा

सूरज सिंह-पुलिस अधीक्षक,धमतरी

त्रिलोक बंसल पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, बघेरा

लक्ष्य शर्मा पुलिस अधीक्षक, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई अंजनेय वार्ष्णेय पुलिस अधीक्षक सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुष्कर शर्मा सेनानी, वीआईपी वाहिनी, माना

योगेश कुमार पटेल पुलिस अधीक्षक, बालोद

एसआर भगत पुलिस अधीक्षक, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही विजय पाण्डे पुलिस जांजगीर चांपा

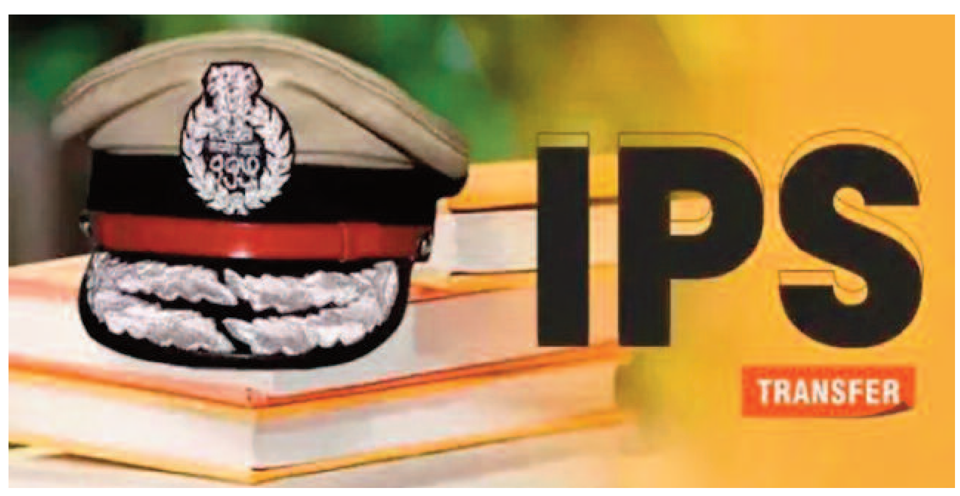

10वीं-12वीं के उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा

जल्द ही रिजल्ट जारी करेगा सीजीबीएसई

रायपुर,20 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीजीबीएसई) 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम मई 2025 के पहले सप्ताह में घोषित करने की तैयारी में जुटा है। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है, और अब मंडल रिजल्ट तैयार करने में व्यस्त है। पिछले साल 9 मई को परिणाम जारी किए गए थे, और इस बार भी समय पर नतीजे घोषित करने के लिए मंडल ने पूरी तैयारी कर ली है। मूल्यांकन प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए मंडल ने मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या बढ़ाई थी, जिससे कार्य में तेजी आई। अधिकारियों के अनुसार, दोनों कक्षाओं के परिणाम एक साथ घोषित करने की योजना है। इस साल लाखों छात्र-छात्राओं ने इन परीक्षाओं में हिस्सा लिया था, और अब सभी को नतीजों का बेसब्री से इंतजार है। परिणाम आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

4 पटवारियों का वेतन रोका कलेक्टर ने

पेंड्रा,20 अप्रैल 2025(ए)। तमाम हिदायतों के बाद भी पटवारी अपने काम में लापरवाही बरतने से बाज नहीं आते हैं। ऐसे लापरवाह पटवारियों पर एक्शन भी लिया जाता है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले की कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी ने कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में पटवारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने नक्शा बटांकन, सीमाकंन, अभिलेख शुद्धता, आधार प्रविष्टि, किसान किताब और किसान पंजीयन की जांच की। स्वामित्व योजना की भी समीक्षा की। राजस्व विभाग के कार्यों में कोताही न बरतने के निर्देश दिए गए। राजस्व विभाग के कार्यों में अपर्याप्त प्रगति के कारण 4 पटवारियों की एक-एक वेतन वृद्धि पर असंचयी प्रभाव से रोक लगाई गई। एक परिवीक्षाधीन पटवारी को चेतावनी पत्र जारी किया गया। पेंड्रा तहसील के ग्राम पंचायत बचरवार के कोटवार के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए। नक्शा बटांकन कार्यों में 15 दिनों के भीतर 80 प्रतिशत और एक माह में 95 प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश दिए गए।

कृषि, कौशल उन्नयन, पर्यटन और उद्योग के क्षेत्र में संतुलित विकास के साथ

विकसित बस्तर की ओर

नक्सल हिंसा के चलते लंबे समय से विकास से अछूते रहे बस्तर क्षेत्र में अब सुनियोजित रणनीति के साथ समस्या के उन्मूलन पर काम हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार एक तरफ नक्सलवाद के खिलाफ ठोस रणनीति बनाकर एक निश्चित समय अवधि तक इसके संपूर्ण उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर बस्तर में समावेशी विकास के लिए एक विस्तृत रोड मैप पर कार्य चल रहा है। कृषि, पर्यटन, उद्योग और कौशल उन्नयन पर यहां सरकार का विशेष फोकस है। बस्तर में उपलब्ध संसाधनों और वहां की भौगोलिक, सामाजिक स्थितियों के आधार पर विकास का एक प्रारूप तैयार किया गया है, जिसके आधार पर विकसित बस्तर की बुनियाद रखी जा रही है।

पर्यटन: सांस्कृतिक पहचान से समृद्धि की ओर

बस्तर दशहरा की अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान है, जिसे अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाने की योजना बनाई गई है। यह न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को वैश्विक पहचान दिलाएगा। बस्तर पर्यटन सर्किट को विकसित करने, तीरथगढ़ जलप्रपात पर पारदर्शी पुल बनाने और स्थानीय युवाओं को पर्यटक गाइड के रूप में प्रशिक्षित करने की योजनाएं रोजगार, निवेश और सांस्कृतिक जागरूकता के तीनों पहलुओं को साधती हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे, कैंपिंग और ईको पर्यटन की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। बस्तर जिले में कोसारटेडा सिंचाई जलाशय को अब ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे यहाँ के महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेगा।
मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पहले साल के कार्यकाल में बस्तर के नक्सल प्रभावित इलाकों में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। नक्सलियों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाकर, इस साल सबसे ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया गया है। अब सरकार का लक्ष्य बस्तर को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है। चित्रकोट वाटर फॉल को नियाग्रा फॉल्स जैसा खूबसूरत बताते हुए, साय ने इसे राज्य की एक बड़ी संपत्ति बनाने का वादा किया है। साथ ही, बस्तर में शांति वार्ता की पेशकश भी की गई है। नक्सलियों के पुनर्वास के लिए नई नीति के तहत, आत्मसमर्पित नक्सलियों और हिंसा के पीड़ितों को 15,000 घर दिए जाएंगे, कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और 10,000 रुपए प्रति माह का वजीफा दिया जाएगा। बस्तर के धुड़मारास गांव को UNWTO की तरफ से सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में मान्यता मिलना इस बात का प्रमाण है।

कृषि: स्थानीयता और नवाचार का संतुलन

बस्तर की अर्थव्यवस्था का मूल आधार आज भी कृषि और वनों पर आधारित जीवनशैली है। "विकसित बस्तर" तहत किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर विशेष ज़ोर है। मोटे अनाज जैसे कोदो, कुटकी और रागी को बढ़ावा देना 'मिलेट मिशन' का हिस्सा है, जो पोषण और आय दोनों में वृद्धि कर सकता है। इसके अलावा, कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए हर ब्लॉक स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। यह कदम छोटे किसानों को आधुनिक संसाधनों से जोड़ने में मदद करेगा।

कौशल उन्नयन: बस्तर के युवाओं को मिलेगा नया भविष्य

बस्तर के युवाओं को अब तक या तो शहरी पलायन का विकल्प मिलता था या नक्सल संगठनों की ओर से बहकाने वाले रास्ते। "विकसित बस्तर" परिस्थिति को जड़ से बदलने का प्रयास है। इसमें 90 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और 40 हजार युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इस रणनीति का विशेष आकर्षण "आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए पुनर्वास नीति 2025" है, जिसमें रोजगार, प्रशिक्षण और पुनर्वास की ठोस व्यवस्था है। यह केवल कानून-व्यवस्था का समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता की ओर उठाया गया बड़ा कदम है। 32 नए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना से यह प्रयास ज़मीन पर आकार लेता दिख रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नक्सल प्रभावित बस्तर के कांकेर और कोंडागांव जिलों में स्कूली बच्चों के लिए एक महत्वपूर्णयोजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत, बच्चों को रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की शिक्षा दी जाएगी। यह पहल आदिवासी बच्चों के कौशल विकास को ध्यान में रखते हुए की गई है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री के समक्ष रखा बस्तर विकास का रोड मैप

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पिछले दिनों दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य के विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बस्तर के विकास के लिए तैयार किए गए मास्टर प्लान का खाका भी प्रधानमंत्री को सौंपा। छह प्रमुख एजेंडों और 19 बिंदुओं पर आधारित इस योजनाओं की श्रृंखला में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाओं, उद्योगों और पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने का मसौदा तैयार किया गया है। बस्तर को एक नए औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करना, बांस, लघु वनोपज और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के प्रसंस्करण हेतु उद्योग स्थापना, शिक्षा और कौशल विकास के लिए आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों की संख्या में वृद्धि, युवाओं को तकनीकी शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण देना, पर्यटन और सांस्कृतिक विकास के लिए विभिन्न कार्यों सहित नई उद्योग नीति के साथ बस्तर में संतुलित औद्योगिक विकास का रास्ता बनाना और नई नक्सली आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति के तहत किए जाने वाले कार्य शामिल हैं।

"बस्तर अब शांति की ओर बढ़ चुका है, अब सरकार का लक्ष्य लोगों को सम्मानजनक आजीविका देना है। सरकार न केवल कौशल विकास पर ध्यान देगी, बल्कि स्थानीय लोगों को स्थानीय संसाधनों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य करेगी। इससे बस्तर का युवा न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि पूरे देश और दुनिया में अपने हुनर की पहचान बना सकेगा।

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सामाजिक-आर्थिक बदलाव की शुरुआत

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में एक ओर प्रकृति की विराटता है, तो दूसरी ओर विकास की विफलताओं की लंबी छाया। दशकों से यह इलाका नक्सलवाद, बेरोजगारी, पलायन और उपेक्षा की जटिलताओं में उलझा रहा, लेकिन अब यह बदलाव की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अगुवाई में राज्य सरकार ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए योजनाओं की श्रृंखला "विकसित बस्तर की ओर", शुरू की है, जो बस्तर के समावेशी विकास, सामाजिक पुनर्निर्माण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक ठोस रूपरेखा प्रदान करती है। यह केवल योजनाओं की श्रृंखला नहीं, बल्कि राज्य की उस नई सोच की झलक है, जो विकास को सुरक्षा के साथ, संस्कृति के साथ और मानवीय गरिमा के साथ जोड़ना चाहती है।

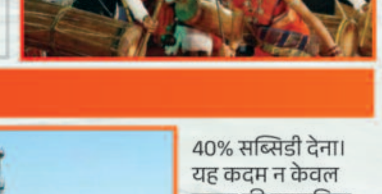

उद्योग: स्थानीय उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

"विकसित बस्तर" स्थानीय युवाओं, महिला उद्यमियों और आत्मसमर्पित नक्सलियों को उद्यमिता की धारा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। नई उद्योग नीति में इस क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जैसे इस्पात उद्योगों को 15 वर्षों तक रॉयल्टी की प्रतिपूर्ति और आत्मसमर्पित नक्सलियों को नौकरी देने वाले संस्थानों को 5 वर्षों तक उनके वेतन का

40% सब्सिडी देना। यह कदम न केवल बस्तर की सामाजिक संरचना को सुदृढ़ करेगा, बल्कि निजी क्षेत्र को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देगा।

संवाद 43586/43

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)